• वर्ष-6
• अंक-43
रायपुर, मंगलवार
22 सितंबर 2026
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज–8›› एशियन गेम्स 2026 में पुरुष...

### अब भंग किया 37 साल पुराना कमीशन

## डीसीसी : राजीव के दौर में बना, मोदी सरकार ने पहले नाम बदला

**नई दिल्ली।** भारत सरकार ने अपने करीब 37 साल पुराने डिजिटल संचार आयोग (डिसीसी) को भंग कर दिया है। यह दूरसंचार विभाग का एक शीर्ष अंतर-विभागीय निर्णय लेने वाला निकाय था। यह निकाय देश में दूरसंचार से जुड़े नीतिगत मामलों और महत्वपूर्ण वित्तीय निहितार्थों वाले विषयों पर निर्णय लेता था। सरकार ने 19 सितंबर को एक अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है। इस कदम से दूरसंचार क्षेत्र में नीतिगत निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव आने की उम्मीद है।

यह आयोग मूल रूप से 1989 में राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में दूरसंचार आयोग के रूप में गठित हुआ था। इसकी स्थापना भारत सरकार की ओर से 11 अप्रैल 1989 को एक एक प्रस्ताव के जरिये की गई थी। बाद में 2018 में इसका नाम बदलकर डिजिटल संचार आयोग कर दिया गया था। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने सितंबर 2018 में राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति-2018 (एनडीसीपी-2018) के तहत इसे मंजूरी दी थी। अक्तूबर 2018 में इसके आधिकारिक नाम परिवर्तन की अधिसूचना जारी की गई थी।

अधिसूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत सरकार ने डिजिटल संचार आयोग को भंग करने का निर्णय लिया है। इस संकल्प के प्रकाशन की तारीख से डिजिटल संचार आयोग भंग माना जाएगा। यह निर्णय दूरसंचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव को दर्शाता है। यह आयोग एक शीर्ष निर्णय लेने वाला निकाय था। इसमें नीति आयोग, वित्त मंत्रालय और औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। आयोग विवादास्पद मुद्दों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। अधिकांश दूरसंचार मामलों पर कैबिनेट को अंतिम



स्वीकृति के लिए भेजने से पहले यह आयोग ही निर्णय लेता था। इसने स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की सिफारिशों जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लेने में सहायता की थी। इसका मुख्य कार्य दूरसंचार क्षेत्र के लिए एक सुदृढ़ नीतिगत ढांचा तैयार करना और उसे लागू करवाना था।

### आयोग की अंतिम बैठक में क्या निर्णय लिए गए?

इस निकाय की अंतिम बैठक 3 सितंबर को आयोजित की गई थी। इस बैठक में सैटकॉम स्पेक्ट्रम के आवंटन से संबंधित निर्णय को अंतिम रूप दिया गया था। एलोन मस्क के नेतृत्व वाली स्टारलिंक, भारती समूह समर्थित यूटेलसैट वनवेब और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस को भारत में सैटकॉम सेवाएं शुरू करने की अनुमति मिली है। यह निर्णय भारत में उपग्रह संचार सेवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयोग ने इन कंपनियों को भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की प्रारंभिक अनुमति प्रदान की थी।

### सैटकॉम सेवाओं के लिए आगे क्या प्रक्रिया होगी?

इन सैटकॉम सेवाओं को स्पेक्ट्रम आवंटन के बिना शुरू नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा एजेंसियों से दूसरे चरण की सुरक्षा मंजूरी भी आवश्यक है। डिजिटल संचार आयोग ने दूरसंचार नियामक ट्राई द्वारा दिए गए अधिकांश सुझावों को पहले ही मंजूरी दे दी थी। सैटकॉम स्पेक्ट्रम पर इसकी सिफारिश को अब केंद्रीय कैबिनेट द्वारा अंतिम रूप से अनुमोदित किया जाना है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ही ये कंपनियां अपनी सेवाएं शुरू कर पाएंगी। यह अंतिम अनुमोदन ही इन कंपनियों के लिए भारत में परिचालन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

## दूसरे दिन भारत ने जीते चार पदक

### निशानेबाजों ने कराई चांदी, सुचिका ने एमएमए में दिलाया मेडल, टेटे में दिखा दम


रुद्रांक्ष पाटिल

हिमांशु ढिल्लन

**नागोया।** एशियन गेम्स के दूसरे दिन भी भारत ने पदक जीतने का सिलसिला जारी रखा। सोमवार को निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर सुचिका तरियाल ने ऐतिहासिक कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत ने इस तरह दूसरे दिन दो रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं, हॉकी, बैडमिंटन और टेबल टेनिस में भी भारत को सफलता मिली।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत ने एक साथ दो पदक अपने नाम किए। हिमांशु ढिल्लन ने रजत, जबकि रुद्रांक्ष पाटिल ने कांस्य पदक जीता। हिमांशु ने फाइनल में 252.4 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहे। वहीं, रुद्रांक्ष 230.9 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। रुद्रांक्ष पाटिल ने फाइनल में लंबे समय तक पदक की दौड़ में बढ़त बनाए रखी थी। वह लगातार स्वर्ण पदक की स्थिति में बने हुए थे, लेकिन बाद के दौर में चीन के शेन लिहाओ ने शानदार वापसी की। रुद्रांक्ष पहले स्वर्ण पदक की स्थिति से नीचे आए और इसके बाद 9.7 के एक खराब शॉट के कारण तीसरे स्थान पर खिसक गए। इसके बाद उन्होंने वापसी की कोशिश की, लेकिन कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। रुद्रांक्ष और हिमांशु ने इससे पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। उनके साथ भारतीय टीम में पार्थ माने भी शामिल थे।

### गूगल का बड़ा फैसला

## भारत में बाल शोषण कंटेंट की रिपोर्ट सीधे अधिकारियों को देगा

**नई दिल्ली।** गूगल ने भारत में बाल यौन शोषण सामग्री से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे भारतीय अधिकारियों को देने पर सहमति जताई है। यह कदम कंपनी की मौजूदा वैश्विक व्यवस्था से अलग है। अभी ऐसे मामलों की रिपोर्ट पहले अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संस्था नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन (एनसीएमईसी) को भेजी जाती है। इसके बाद एनसीएमईसी संबंधित देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों तक रिपोर्ट पहुंचाता है।



गूगल के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी बाल यौन शोषण सामग्री का पता लगाने, उसे हटाने और उसकी रिपोर्टिंग के लिए बड़े स्तर पर निवेश करती है। कंपनी के अनुसार, भारत सरकार के साथ इस संबंध में बातचीत जारी है।

बाल यौन शोषण सामग्री की समस्या दुनियाभर में बड़ी चुनौती बनी हुई है। अमेरिकी संस्था एनसीएमईसी की साइबरटिपलाइन को 2025 में दुनियाभर से बच्चों के यौन शोषण और ऑनलाइन शोषण से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों की 2.13 करोड़ से ज्यादा रिपोर्ट मिली थीं।

### भारत सरकार ने टेक कंपनियों से की थी सीधी रिपोर्टिंग की मांग

भारतीय अधिकारियों ने हाल के हफ्तों में गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों से भारत से संबंधित बाल शोषण सामग्री के मामलों की जानकारी सीधे भारतीय एजेंसियों को देने का आग्रह किया था। अधिकारियों की चिंता थी कि मौजूदा व्यवस्था में रिपोर्ट पहले अमेरिकी संस्था तक पहुंचती है और उसके बाद स्थानीय एजेंसियों को भेजी जाती है। इससे कार्रवाई में महत्वपूर्ण समय लग सकता है। भारत गूगल के यूट्यूब और मेटा के फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म के लिए सबसे बड़े यूजर बाजारों में से एक है। इससे पहले मेटा ने भी भारत में बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने की दिशा में कदम उठाया था।

## एक्सप्लेनर : टाटा ट्रस्ट्स बनाम टाटा संस की लड़ाई में उतरे वकीलों में क्या खास

**टाटा की यह अंदरूनी लड़ाई अदालत की चौखट तक पहुंच गई**

**नई दिल्ली।** टाटा संस की एक बोर्ड रूम बैठक में हुए कुछ फैसलों का मामला अब कानूनी लड़ाई में बदलता दिख रहा है। दरअसल, टाटा संस के भविष्य और इसके प्रमुख की नियुक्ति को लेकर बोर्ड की बैठक में जो फैसला हुआ, वह भले ही बहुमत से था, लेकिन इसमें टाटा संस की सबसे बड़ी हिस्सेदार कंपनी टाटा ट्रस्ट्स (66% हिस्सा) के प्रमुख नोएल टाटा की सहमति नहीं थी। चौंकाने वाली बात यह है कि टाटा ट्र्स्ट्स के दूसरे नामित सदस्य वेणु श्रीनिवासन टाटा संस के बोर्ड के साथ थे, लेकिन सिर्फ नोएल टाटा की असहमति के चलते अब टाटा की यह अंदरूनी लड़ाई अदालत की चौखट तक पहुंच गई है।

इसके लिए दोनों पक्षों ने वकीलों की फौज भी खड़ी कर दी है। देश की नामी कानूनी फर्म्स और जाने-माने वकील सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए हैं और यही वकील आगे मामले के अदालती स्तर पर जाने पर टाटा नेतृत्व विवाद के निपटारे में भी आगे रह सकते हैं।

टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के विवाद के बीच बोर्ड रूम के बाहर यह जंग अब किस मोड़ पर जाती दिख रही है? दोनों पक्षों की तरफ से किस-किस वकील को प्रतिनिधि के तौर पर शामिल किया गया है? जिन वकीलों ने इस मुकाबले में होने की पुष्टि की है।

## पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कवर्धा में सिद्धेश्वर महादेव और संकट मोचन हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

**कवर्धा।** पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज कवर्धा के ऐतिहासिक रानी सागर तालाब परिसर स्थित आस्था के पावन केंद्र और कवर्धा राज परिवार न्यास द्वारा निर्मित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। उन्होंने भगवान श्री सिद्धेश्वर महादेव से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगल कामना की। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल यहां की प्राकृतिक सुंदरता से ही नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से भी है। भोरमदेव और कवर्धा क्षेत्र आस्था, इतिहास और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

**राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख समाचार**

### बीजापुर में नक्सलियों के डंप से हथियारों का जखीरा बरमाद

**बीजापुर।** सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम द्वारा चलाये जा रहे सर्चिंग अभियान के दौरान भैरमगढ़ के उतला जंगल में जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया नक्सलियों के डंप से हथियारों का जखीरा बरमाद किया गया है।

बरामद की गई नक्सली डंप से 1 नग एके-47 रायफल, 1 नग .315 बोर रायफल, 1 नग सिंगल शॉट रायफल, 1 नग 9 एमएम पिस्टल, 2 नग एके-47 मैगजीन, 45 नग एके-47 जिंदा राउंड, 25 नग 9 एमएम जिंदा राउंड, 6 नग 315 बोर रायफल के जिंदा राउंड एवं अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गई है। बीजापुर एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों से पूछ-ताछ और पुनर्वास नीति के तहत चलाए जा रहे सामाजिक कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। नक्सलवाद छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए आत्मसमर्पित कैडरों की सतत निगरानी एवं उनसे लगातार पूछ-ताछ के दौरान पुलिस को उतला के जंगलों में नक्सलियों द्वारा छिपाए गए हथियारों के डंप का सटीक सूचना मिली थी।

### ममता बेनर्जी गुट को कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ी राहत

**कोलकाता।** कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट को पार्टी के तीन बैंक खातों में मौजूद रकम का आंशिक और शर्तों के साथ इस्तेमाल जारी रखने की अनुमति दी। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग का पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर दिया गया अंतरिम आदेश उसके पहले के बैंक खातों से जुड़े आदेश को प्रभावित नहीं करता। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग ने फिलहाल अंतिम फैसला नहीं दिया है। आयोग की व्यवस्था आगामी उपचुनावों को ध्यान में रखते हुए अंतरिम प्रकृति की है। ऐसे में कोर्ट अपने पहले के आदेश के तहत ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को तीन बैंक खातों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति देता रहेगा। अदालत के आदेश के अनुसार, इन खातों से खर्च करने का अधिकार 29 जनवरी 2027 तक ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के पास रहेगा। हालांकि, गुट इन पैसों का मनमाने तरीके से इस्तेमाल नहीं कर सकेगा।

### मुख्यमंत्री साय ने ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति से की शिष्टाचार भेंट

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज भुवनेश्वर स्थित लोक भवन में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।



### मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल हरिचंदन से की भेंट

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने ओडिशा प्रवास के दौरान आज भुवनेश्वर में छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ राजनेता श्री विश्वभूषण हरिचंदन से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उनका कुशलक्षेम जाना तथा छत्तीसगढ़ में किए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों पर चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

### सोनिया के खिलाफ एफआईआर याचिका खारिज करने 29 को सुनवाई

**नई दिल्ली।** दिल्ली की विशेष अदालत ने सोनिया गांधी के 1980 के दशक के वोटर रजिस्ट्रेशन मामले में एफआईआर दर्ज करने से इनकार करने वाले मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने पुराने फैसले को त्रुटिपूर्ण बताते हुए मामले को पुनर्विचार के लिए वापस भेज दिया। अब निचली अदालत पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट मंगाकर नए सिरे से फैसला करेगी। 1980 के दशक की शुरुआत में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वोटर रजिस्ट्रेशन से जुड़े एक अहम कानूनी मामले में, राउज़ एवेन्यू स्थित स्ब्क्स्स मामलों की स्पेशल कोर्ट ने मजिस्ट्रेट के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें उनके खिलाफ स्ब्द्धक्र दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था। एक्टिविस्ट विकास त्रिपाठी की ओर से दायर क्रिमिनल रिविज़न याचिका को मंज़ूरी देते हुए, स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का 2025 का खारिज करने वाला आदेश बिना ठोस कारण वाला और गलत था। उन्होंने मामले को 29 सितंबर को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत में वापस भेज दिया।



### आयकर वसूली में गिरफ्तारी और हिरासत के नियम खत्म

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश के लाखों आयकरदाताओं के लिए बड़ी खबर है। केंद्र सरकार ने आयकर बकाया की वसूली के तय नियमों से गिरफ्तारी और सिविल जेल में हिरासत से जुड़े प्रावधान हटा दिए हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अधिसूचना जारी कर आयकर नियमावली-2026 के नियम 225 में बड़ा बदलाव किया है। यह बदलाव 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी माना गया है। अधिसूचना में गिरफ्तारी और हिरासत से जुड़े कई उपनियम भी समाप्त कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश में इसका दायरा बड़ा है। यूपी से लगभग 93.3 लाख इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किए गए हैं। पूरे भारत में दाखिल होने वाले कुल आईटीआर में उत्तर प्रदेश का योगदान करीब 10% है। सूची में महाराष्ट्र (1.40 करोड़) पहले स्थान पर है और उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर पर है। इसके बाद गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु का नंबर है। वरिष्ठ कर सलाहकार राजीव मेहरोत्रा के मुताबिक अब 'गिरफ्तारी और सिविल हिरासत' शब्द हटा दिए गए हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि आयकर की बकाया मांग खत्म हो गई है।




## जल के लिए सहयोग : सामूहिक प्रयास का भारत का आह्वान

जल हमें उन तरीकों से जोड़ता है, जिनमें बहुत कम अन्य संसाधन जोड़ पाते हैं। नदियाँ प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भूजल के स्रोत कई समुदायों की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। आज होने वाली बारिश कल पीने के पानी, सिंचाई, भूजल या नदी के प्रवाह का आधार बनती है। इससे एक सरल लेकिन महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है- जल एक साझा संसाधन है और

आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ भारत 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में वैश्विक जल समुदाय का स्वागत करेगा। इसका आयोजन जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है।

इस वर्ष की थीम है- जलवायु के प्रति लचीला जल प्रबंधन। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र लगातार अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे समय में यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है। भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह केवल एक सम्मेलन नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहाँ सरकारें, विशेषज्ञ, उद्योग जगत, समुदाय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार अपने अनुभव, तकनीक और विचार साझा कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए साझेदारियाँ बना सकते हैं। इसका उद्देश्य जल क्षेत्र से जुड़े हालिया विभागीय शिखर सम्मेलन की भावना और उससे मिली सीख को भी आगे बढ़ाना है। इस सम्मेलन का विचार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रखा था। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने एक साथ आकर जल क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की, अपने अनुभव साझा किए और आगे की राह तय करने पर विचार-विमर्श किया।

भारत इस संवाद में बड़े स्तर पर जल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को लागू करने का व्यापक अनुभव लेकर आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण भारत में 15.9 करोड़ से अधिक घरों तक नल से


**सी. आर. पाटिल**
केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

पानी पहुँचाया गया है। वर्ष 2019 में ऐसे घरों की संख्या 3.23 करोड़ थी।

जल जीवन मिशन 2.0 का मुख्य उद्देश्य जलापूर्ति के बुनियादी ढाँचे को भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा व्यवस्था में बदलना है। इसके तहत ग्राम पंचायतों और उनकी ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) को ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति सेवाओं के संचालन, रखरखाव और निगरानी के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इन्हें स्थानीय स्तर पर छोटी जल सेवा इकाइयों के रूप में विकसित किया जा रहा है। 'जल सेवा आकलन' ग्राम पंचायत के नेतृत्व में की जाने वाली एक डिजिटल पहल है। इसके तहत हर घर जल वाले गाँवों में पीने के पानी की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आकलन किया जाता है। यह पहल बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर लगातार बेहतर जल सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसमें जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों और गाँव की संस्थाओं को आकलन की प्रक्रिया के केंद्र में रखा गया है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें सीवेज से जुड़े बुनियादी ढाँचे और प्रदूषण कम करने के प्रयासों के साथ-साथ नदी के पर्यावरण को बहाल करने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों की भागीदारी पर भी ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 527 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 367 पूरी हो चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन 4,263 मिलियन लीटर सीवेज के शोधन की क्षमता तैयार की गई है। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि हमारी माताओं और बहनों को सम्मान मिला है और लोगों के व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करने में भी मदद मिली है।

# भैरमगढ़ के उतला जंगल में नक्सली डंप

**बीजापुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों से पूछताछ में लगातार नक्सल डंप की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बल कार्रवाई कर रहे हैं।**

## एके 47 समेत हथियार और 76 जिंदा राउंड बरामद

**बीजापुर।** भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम उतला के जंगलों में पुलिस ने एक नक्सली डंप बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आत्मसमर्पित नक्सलियों से की गई पूछताछ के दौरान मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जंगल में जमीन के भीतर गाड़कर रखे गए इस डंप से बड़ी मात्रा में हथियार और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल अमन झा के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

मिली सूचना के आधार पर थाना भैरमगढ़ से पुलिस बल को ग्राम उतला के जंगलों की ओर रवाना किया गया। सर्चिंग के दौरान पुलिस जवानों को जमीन के भीतर छिपाकर रखा गया नक्सली डंप मिला। डंप को सावधानीपूर्वक बाहर निकालने के बाद उसकी तलाशी ली गई। पुलिस के मुताबिक डंप से 01एके-47 रायफल, 01 315 बोर रायफल, 01 सिंगल शॉट रायफल और 01 9 एमएम पिस्टल बरामद की गई। इसके साथ ही 02एके-47 मैगजीन, 45 एके-47 के जिंदा राउंड, 25 9 एमएम के जिंदा राउंड और 06 315 बोर रायफल के जिंदा राउंड भी बरामद किए गए। इस तरह कार्रवाई में कुल 76 जिंदा राउंड पुलिस के हाथ लगे हैं। बीजापुर पुलिस का कहना है कि आत्मसमर्पित नक्सलियों से लगातार नक्सली संगठन की गतिविधियों और पूर्व में संगठन से जुड़ी घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इसी से ये जानकारी मिल रही है। पुलिस के मुताबिक बरामद हथियारों को थाना भैरमगढ़ लाकर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बीजापुर पुलिस द्वारा विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार इस प्रक्रिया से आत्मसमर्पित नक्सलियों का पुलिस एवं प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ाने और उन्हें सामान्य जीवन की ओर लौटने में सहायता मिल रही है। इसी दौरान प्राप्त सूचनाओं के आधार पर नक्सलियों द्वारा जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियारों एवं अन्य सामग्री की तलाश की जा रही है। उतला के जंगल में हुई यह बरामदगी भी इसी सूचना तंत्र का परिणाम बताई जा रही है।

# चिरमिरी को मिली बड़ी सौगात, 7.46 करोड़ की लागत से बनेगी बाइपास सड़क

**मनेंद्रगढ़-चिरमिरी।** सोनावनी नाका डोमनहिल से कोरिया कॉलरी होते हुए पोड़ी तक प्रस्तावित बायपास सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया। एमसीबी नगर पालिक निगम चिरमिरी को रविवार को बड़ी सौगात मिली। सोनावनी नाका डोमनहिल में भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सोनावनी नाका डोमनहिल से कोरिया कॉलरी होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक, पोड़ी तक प्रस्तावित 7 करोड़ 46 की लागत से बनने वाली महत्वपूर्ण बाइपास सड़क का भूमिपूजन किया। यह सड़क चिरमिरी शहर के लिए महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजना मानी जा रही है। मंत्री ने सोनावनी नाका में निर्मित सांस्कृतिक भवन का लोकार्पण भी किया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा किबाइपास सड़क निर्माण से चिरमिरी के व्यस्त क्षेत्रों में यातायात के दबाव को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही क्षेत्र के लोगों को आवागमन के लिए एक वैकल्पिक और बेहतर मार्ग उपलब्ध होगा। सोनावनी नाका, डोमनहिल, कोरिया कॉलरी और पोड़ी क्षेत्र के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होने से स्थानीय लोगों को इसका सीधा लाभ मिलने की संभावना है। जर्जर सड़क के लिए 7 करोड़ 46 लाख रुपये की राशि मुख्यमंत्री साय और डिप्टी सीएम अरुण साव ने राशि दी है। चिरमिरी में बढ़ते आवागमन और व्यस्त मार्गों पर यातायात के दबाव को देखते हुए प्रस्तावित बायपास सड़क को अहम माना जा रहा है। सड़क के निर्माण के बाद मुख्य मार्गों पर वाहनों का दबाव कम होने के साथ ही लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलने की उम्मीद है। परियोजना के पूरा होने के बाद आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन और संपर्क व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सोनावनी नाका में 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित सांस्कृतिक भवन का भी लोकार्पण किया। इस भवन के निर्माण से क्षेत्र में सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक आयोजनों के लिए स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। क्षेत्रवासियों के लंबे समय से आवश्यक सामुदायिक सुविधा के रूप में इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में सड़क, यातायात और सामुदायिक सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला।

# 9 लाख की ठगी के दो आरोपी जेल दाखिल

**धमतरी।** मंत्रालय में नौकरी और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का पारिजात भवन दिलाने का झांसा देकर धमतरी में बड़ी ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया। युवक से 9 लाख रुपये से ज्यादा की रकम ठगने के मामले में धमतरी पुलिस ने महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने खुद को मंत्रालय में कार्यरत बताकर युवक को अपने झांसे में लिया था। इतना ही नहीं, भरोसा दिलाने के लिए उसे मंत्रालय यानी महानदी भवन भी ले जाया गया था। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार बालोद जिले के निवासी 27 वर्षीय मनीष साहू की फरवरी 2024 में रुद्री रोड स्थित एक होटल में शशि प्रभा साहू और अमित कुमार देवांगन से मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों ने खुद को मंत्रालय में कार्यरत बताया और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का पारिजात भवन दिलाने की बात कही। आरोपियों ने युवक को बताया कि भवन की कीमत करीब 14 लाख 12 हजार रुपए है। इसके बाद उसे विश्वास में लेने के लिए मंत्रालय भी ले गए और बाहर से भवन दिखाया। झांसे में आए मनीष ने अलग-अलग किश्तों में बैंक खातों, फोन-पे, गूगल-पे और नगद के जरिए कुल 9 लाख 8 हजार रुपये आरोपियों को दे दिए। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने युवक से बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक के दो खाली हस्ताक्षर किए हुए चेक भी ले लिए थे। काफी समय बाद जब युवक को शक हुआ और उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने करीब 2 लाख 98 हजार 999 रुपये वापस किए, लेकिन बाकी रकम वापस नहीं की। इसके बाद मनीष ने पूरे मामले की शिकायत सिटी कोतवाली पुलिस से की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मिली जानकारी के आधार पर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नौकरी, मकान, सरकारी योजना या किसी भी शासकीय लाभ का झांसा देने वाले व्यक्ति पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें। किसी भी व्यक्ति को रकम देने से पहले संबंधित विभाग से सीधे जानकारी लें और संदिग्ध गतिविधि सामने आने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।

## केवल कथित रिश्वत की राशि बरामद होने से किसी लोक सेवक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता: छग एचसी

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि रिश्वत की मांग का प्रमाण अपराध का मूल आधार है। केवल कथित रिश्वत की राशि बरामद हो जाने से किसी लोक सेवक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक अभियोजन रिश्वत की मांग और उसके स्वीकार किए जाने को विश्वसनीय साक्ष्यों से सिद्ध न कर दें। न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी की एकलपीठ ने मुरली प्रसाद चौधरी बनाम छत्तीसगढ़ राज्य मामले में यह महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए विशेष न्यायालय, सूरजपुर द्वारा वर्ष 2017 में सुनाई गई दोषसिद्धि और सजा को निरस्त कर दिया। न्यायालय ने अपीलकर्ता को भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन के अनुसार, मुरली प्रसाद चौधरी सूरजपुर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में लेखाकार के पद पर कार्यरत थे। एक विद्यालय की मान्यता से संबंधित कार्य के लिए शिकायतकर्ता ने उनके विरुद्ध रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। आरोप था कि पहले 15 हजार रुपये की मांग की गई और बाद में कथित रूप से यह राशि घटाकर 8 हजार रुपये कर दी गई। शिकायत के आधार पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने 30 जून 2014 को जाल बिछाकर कार्रवाई की। अभियोजन ने दावा किया कि कार्रवाई के दौरान 8 हजार रुपये की रासायनिक पदार्थ से चिन्हित राशि आरोपी की पेंट की जेब से बरामद हुई। मामले की सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता ने अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं किया। उसने स्पष्ट रूप से कहा कि आरोपी ने उससे रिश्वत की मांग नहीं की थी और उसने आरोपी को रिश्वत नहीं दी थी। साथ गए गवाह ने भी अभियोजन के कथित घटनाक्रम का समर्थन नहीं किया। उसने अदालत में कहा कि शिकायतकर्ता ने स्वयं रुपये आरोपी की जेब में रख दिए थे और आरोपी रुपये वापस लेने के लिए कह रहा था।उच्च न्यायालय ने इन बयानों को मामले के लिए महत्वपूर्ण माना। अभियोजन ने कथित रिश्वत की मांग साबित करने के लिए बातचीत की इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डिंग और उसके प्रतिलेख पर भी भरोसा किया था।

# शौहर निकला शैतान, गला दबाने से गई थी महिला की जान, हिरासत में हसबैंड

**दुर्ग।** धमधा थाना इलाके के ग्राम अगार में विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थियों में मौत हो गई। मृतक महिला के पति का कहना था कि उसकी पत्नी की मौत हार्ट अटैक आने से हुई है। पति के बयान के आधार पर शुरुआत में सभी को ऐसा ही होना नजर आया। महिला के मायके वालों को जब सूचना मिली की उनकी बेटी की हार्ट अटैक से मौत हो गई है, तो वो भी बेटी के मायके पहुंचे। शव को जब परिवार वालों ने करीब से देखा तो पाया कि महिला के गले पर कुछ निशान पड़े हैं। मायके वालों को थोड़ा संदेह हुआ। जिसके बाद परिवार वालों ने महिला की मौत की शिकायत पुलिस में की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद साफ हो गया कि महिला की मौत हार्ट अटैक से नहीं हुई, बल्कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है। मृतक महिला के गले पर जो निशान मिले हैं को गला दबाने से बने हैं। पुलिस ने तत्काल आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। आरोपी पति से धमधा थाना पुलिस वारदात के संबंध में पूछताछ कर रही है। अगार गांव की महिला अन्नू खांडे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों की शिकायत के बाद महिला के शव का हमने पीएम कराया। पीएम रिपोर्ट में महिला की मौत की वजह गला दबाना सामने आया। मौत की वजह साफ होने के बाद हमने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की है- महेश ध्रुव, थाना प्रभारी, धमधा मृतक महिला का नाम अन्नू खांडे था और उसका ससुराल अगार गांव में है। धमधा पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर छोटी-मोटी बातों को लेकर विवाद होता रहता था। वारदात वाले दिन भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या की वारदात को छिपाने के लिए आरोपी ने सभी को यही बताया कि उसकी पत्नी की मौत हार्ट अटैक आने से हुई है। नवविवाहिता के मायके वालों ने बताया कि उनकी बेटी की शादी साल 2019 में त्रिलोक खांडे के साथ हुई थी। शादी के बाद पति के द्वारा कई बार उनकी बेटी के साथ मारपीट की गई। परिवार वालों ने सोचा कि समय के साथ-साथ दामाद की आदतों में सुधार हो जाएगा। लेकिन धीरे-धीरे विवाद और मारपीट की घटना बढ़ती गई। जिसके बाद मामला एसडीएम कोर्ट में पहुंचा जहां इकरारनामा भी कराया गया। घटना से कुछ दिन पहले ही मृतका अन्नू तीज पर्व मनाने के बाद ससुराल लौटी थी।

**छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार**

## जाली दस्तावेज बनाकर सीआईएसएफ में हुआ भर्ती

**दंतेवाड़ा।** दंतेवाड़ा पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए जिले का निवास और आय प्रमाण पत्र हासिल कर सीआईएसएफ में भर्ती हुआ था। अब पुलिस इस फर्जीवाड़े में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। दरअसल, सिटी कोतवाली पुलिस ने पुलिस अधीक्षक के निर्देश में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के साथ एसडीओपी दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश के रायबरेली निवासी सत्यम दीक्षित को राजस्थान के देवली से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दंतेवाड़ा जिले का निवास और आय प्रमाण पत्र हासिल कर उसे सीआईएसएफ भर्ती में इस्तेमाल करने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर सीआईएसएफ में भर्ती हुआ था और वर्तमान में राजस्थान के देवली में नौकरी कर रहा था। मामले की विवेचना के दौरान दस्तावेजों को लेकर संदेह सामने आया, जिसके बाद राजस्व अधिकारियों और तहसील कार्यालय से संबंधित प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराया गया।

## बेटी जिंदा है फिर भी पिता ने किया उसका पिंडदान

**जगदलपुर।** जगदलपुर में सामने आई यह घटना इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि पिंडदान करने वाले पिता के मुताबिक उनकी बेटी ने ऐसा फैसला लिया, जिसके बाद उन्होंने उसे अपने जीवन से पूरी तरह से अलग करने का फैसला कर लिया। कहानी शुरू होती है जगदलपुर के धरमपुरा क्रमांक-3 से। यहां रहने वाले सुजान दत्ता की बेटी सिमरन दत्ता ने कुछ दिन पहले एक मुस्लिम युवक से प्रेमविवाह किया, इसके बाद उसने धर्म परिवर्तन भी कर लिया। परिवार की ओर से बताया गया कि सिमरन को इस फैसले से रोकने और समझाने की कोशिश की गई। न केवल परिवार, बल्कि समाज के लोगों ने भी उसे समझाया, लेकिन सिमरन अपने फैसले पर अडिग रही। इसके बाद घर का माहौल ऐसा बदला कि जिस घर में बेटी की खुशियों और भविष्य की बातें होनी थीं, उसी घर में पिता ने अपनी जीवित बेटी के लिए पिंडदान की रस्म पूरी करने का फैसला कर लिया। सुजान दत्ता ने पहले अपना सिर मुंडवाया, फिर घर पर पंडितों को बुलाया गया।

## हॉकी की नर्सरी' में जनवरी तक बिछ जाएगा नया टर्फ

**राजनांदगांव।** हॉकी की नर्सरी को आगामी जनवरी माह तक नए एस्ट्रोटर्फ की सौगात मिल जाएगी। पीडब्ल्यूडी विभाग ने दिल्ली की एजेंसी को वर्क आर्डर जारी कर दिया है, जिसके बाद युध्द स्तर पर पुराना एस्ट्रोटर्फ को हटाने की कवायद शुरू हो गई है। एस्ट्रोटर्फ तैयार होने के बाद अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हो सकेगा। बता दें कि 11 साल पहले 22 करोड़ की लागत से पूरे स्टेडियम का निर्माण कराया गया था, जिसमें एस्ट्रोटर्फ भी शामिल था। लेकिन टर्फ के खराब होने, सतह उखड़ने और जगह- जगह कीचड़ व काले धब्बे जमने के कारण न केवल खिलाड़ियों का खेलने एक तरह से बंद हो गया था, बल्कि 80 सालों से चली आ रही अखिल भारतीय महंत राजा सर्वेश्वरदास स्मृति हॉकी प्रतियोगिता के आयोजन की परंपरा खत्म हो गई थी। पिछले वर्ष मिली स्वीकृति के बाद अब करीब 5.64 करोड़ रुपए की लागत से नया एस्ट्रोटर्फ बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। शनिवार से पुराने टर्फ को उखाड़ने का काम मजदूरों ने शुरू कर दिया है।

## डीएम द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण

**जगदलपुर।** बस्तर जिले के दरभा विकासखंड कभी नक्सल प्रभावित और दुर्गम माना जाने वाला कोलेंग क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। बुनियादी सुविधाओं और चल रहे कार्यों की स्थिति देखने कलेक्टर आकाश छिकारा ने प्रशासनिक टीम के साथ कोलेंग और आस-पास के दूरस्थ गांवों का दौरा किया। इस दौरान बस्तर एसपी शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना, एएसपी सुखनंदन राठौर सहित वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने सबसे पहले कोलेंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, मरीजों के पंजीयन और इलाज की व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद दवा स्टोर का जायजा लिया और रजिस्टर में दर्ज दवाओं का स्टॉक से मिलान किया। अस्पताल में बिजली गुल होने की स्थिति में उपचार प्रभावित न हो, इसके लिए सोलर बैकअप सिस्टम को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर दवाइयों और इलाज की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

## ब्रेकडाउन ट्रेलर से टकराए दो भारी वाहन, चालक घायल

**कोरबा।** जिले के जटगा चौकी क्षेत्र में नेशनल हाईवे-130 पर रविवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। सड़क पर ब्रेकडाउन खड़े सरिया लोड ट्रेलर को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार भारी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के कुछ देर बाद एक तीसरा वाहन भी दोनों वाहनों से जा टकराया। हादसे में तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है कि सरिया लोड ट्रेलर सड़क किनारे ब्रेकडाउन होने के कारण खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार भारी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। कुछ देर बाद पीछे से आया एक और वाहन भी दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में जा घुसा। हादसे में एक ट्रेलर चालक को चोट आई है, जिसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब चार घंटे तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान चार पहिया वाहन, भारी वाहन और यात्री बसें फंसी रहीं। कई बसों में सवार यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। सूचना मिलते ही जटगा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।

# 6 साल से घोटुल में चल रहा स्कूल, जमीन और दीवारों पर उग रहे मशरूम

**कांकेर।** अच्छी पढ़ाई और हाईटेक क्लासरूम के दावों के बीच उत्तर बस्तर कांकेर जिले के पूसाझर गांव में बदहाल शिक्षा व्यवस्था तस्वीर सामने आई है। यहां शासकीय प्राथमिक शाला का मूल भवन जर्जर होकर टूट चुका है। इसके बाद करीब 6 सालों से स्कूल का संचालन गांव के घोटुल में किया जा रहा है। बारिश के मौसम में घोटुल की जमीन और दीवारों में नमी बढ़ने से कमरों के अंदर जगह-जगह मशरूम उग आए हैं। ऐसे माहौल में छोटे-छोटे बच्चे पढ़ाई करने को मजबूर हैं। वहीं सांप और बिच्छू का खतरा भी बना हुआ है। पहले जान लेते हैं घोटुल क्या है। घोटुल या गोटुल आदिवासी समाज का एक भवन या जगह होती है।

आदिवासी और वनांचल क्षेत्रों में मिट्टी, बांस और खपरैल से बनी एक बड़ी झोपड़ी होती है, जहां आदिवासी समाज के युवा एकजुट होते हैं। यहां युवाओं को समाज की परंपराओं, लोकनृत्य, संगीत, अनुशासन और सामुदायिक जिम्मेदारियों की शिक्षा दी जाती है। गोंडी भाषा में %गो% का अर्थ ज्ञान और %टूल% का अर्थ स्थान होता है, यानी गोटूल का मतलब %ज्ञान का स्थान% भी कह सकते हैं। लेकिन कांकेर के पूसाझर गांव में घोटूल युवाओं को ज्ञान देने नहीं बल्कि बच्चों को शिक्षा देने के लिए स्कूल के रूप में काम आ रहा है। पूसाझर प्राथमिक शाला में कक्षा पहली से पांचवीं तक पढ़ाई होती है। स्कूल में कुल 9 बच्चे दर्ज हैं और दो शिक्षक पदस्थ हैं। कक्षा पहली में 2, दूसरी में 1, तीसरी में 3 और चौथी में 3 बच्चे पढ़ते हैं, जबकि पांचवीं कक्षा में एक भी बच्चा दर्ज नहीं है। ये बच्चे घोटुल में रोज पढ़ाई करने आते हैं। बारिश के दौरान घोटुल की जमीन में नमी बढ़ जाती है, जिससे बच्चों के बैठने वाले स्थान के आसपास मशरूम उग आए हैं। इसी नमी के बीच बच्चे पढ़ाई करने को मजबूर है। स्कूल के प्रधान पाठक प्रह्लाद सिंह नरेटी ने बताया कि पूसाझर में प्राथमिक शाला का संचालन वर्ष 2007 से हो रहा है। स्कूल भवन जर्जर होने के बाद टूट गया, जिसके बाद वर्ष 2020-21 से घोटुल भवन में स्कूल लगाया जा रहा है। हालांकि प्रधान पाठक ने बताया कि जमीन गीली होने के कारण बच्चों को कुर्सी-टेबल पर बैठाकर पढ़ाया जाता है। वहीं स्कूल के लिए अतिरिक्त कक्ष का निर्माण भी कराया जा रहा है, जो फिलहाल अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि अगले शैक्षणिक सत्र से बच्चों की कक्षाएं नए अतिरिक्त कक्ष में संचालित हो सकेंगी। फिलहाल भवन नहीं होने के कारण मजबूरी में घोटुल में ही बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। मुरागांव के सरपंच ललित कुमार कवाची ने बताया कि स्कूल भवन टूटने के बाद ग्रामीणों की सहमति से घोटूल में स्कूल संचालन के लिए जगह दी गई थी। नमी के कारण सांप और बिच्छू का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से जल्द स्थायी पक्का स्कूल भवन उपलब्ध कराने की मांग की है। करीब छह साल से वैकल्पिक व्यवस्था में चल रहे इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए अब सवाल यह है कि स्थायी स्कूल भवन कब तैयार होगा।

# एसबीआई कियोस्क में 1 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी

**धमतरी।** भखारा पुलिस ने बैंक खाताधारकों से धोखाधड़ी और बड़ी रकम के गबन के मामले में एसबीआई कियोस्क संचालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने लंबे समय तक कियोस्क के माध्यम से खाताधारकों के साथ वित्तीय अनियमितता की। मामले में कुल 1 करोड़ 75 हजार 717 रुपये की राशि के गबन का आरोप है। पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पांडेय के निर्देशन में वित्तीय धोखाधड़ी और अनियमितताओं के मामलों में चलाए जा रहे अभियान के तहत भखारा पुलिस को यह सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान केशव राम साहू (40 वर्ष), पिता हेमलाल साहू के रूप में हुई है, जो की बालोद जिले के देवकोट का रहने वाला है और फिलहाल रायपुर के बोरिया खुर्द स्थित अर्जुन विहार में रहता है। पुलिस के अनुसार, धमतरी स्थित NICT Technologies Pvt. Ltd कंपनी भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के अनुबंध के आधार पर कियोस्क यानी ग्राहक सेवा केंद्रों का संचालन कराती है। ग्राम कोरा में कियोस्क संचालन के लिए संस्था ने आरोपी केशव राम साहू को नियुक्त किया था। इस संबंध में संस्था के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जुगलकिशोर ने भखारा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस की जांच के अनुसार आरोपी ने 27 अगस्त 2015 से 29 नवंबर 2025 के बीच स्वच्छ के खाताधारकों के साथ कथित तौर पर बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता की।

## संक्षिप्त समाचार

### सेवा संकल्प अभियान के तहत अरपा उद्गम स्थल पर नदी घाट स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश

**रायपुर।** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा में अरपा उद्गम स्थल के समीप नदी घाट स्वच्छता अभियान एवं नगरीय जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना तथा नागरिकों को जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना रहा।अरपा नदी छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण नदियों में शामिल है और इसका उद्गम क्षेत्र गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय पहचान से जुड़ा हुआ है। अरपा उद्गम स्थल के समीप आयोजित स्वच्छता अभियान के माध्यम से जल स्रोतों की स्वच्छता को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता करते हुए नदी घाट और आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।कार्यक्रम में मरवाही विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैंकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजा उपेन्द्र बहादुर, नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के उपाध्यक्ष श्री शरद गुप्ता, श्री लालजी यादव, श्री राकेश चतुर्वेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

### शिक्षा सत्र के लिए दशहरा, दीपावली और शीतकालीन अवकाश घोषित

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी शिक्षा सत्र के लिए दशहरा, दीपावली और शीतकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। स्कूल शिक्षा विभाग के मुताबिक दशहरा अवकाश 17-21 अक्टूबर, दीपावली की 6-10 नवंबर और शीतकालीन अवकाश 24-28 दिसंबर तक होंगी। यह अवकाश सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त और गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों, डीएड, बीएड, और एमएड कालेजों में लागू होंगी।

### लिवर कैंसर को मात देकर बस्तर के कश्यप को मिला नया जीवन

**रायपुर।** बस्तर जिले के तोकापाल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम करंजी निवासी 27 वर्षीय नितेश कश्यप के लिए शासन की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जीवनदायिनी साबित हुई है। लंबे समय से पेट दर्द की असहनीय पीड़ा झेल रहे नितेश जब अपने गांव के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे, तो वहां प्राथमिक उपचार और दवाएं दी गईं। हालांकि, दवाइयों से राहत न मिलने पर जब वे दोबारा पहुंचे, तो केंद्र में पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर प्रीति बघेल ने मामले की गंभीरता को समझा और त्वरित निर्णय लेते हुए उन्हें तुरंत महारानी जिला अस्पताल जगदलपुर के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा खून की जांच, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी विस्तृत एवं आधुनिक जांचें कराई गईं, जिनमें नितेश के लिवर कैंसर से ग्रसित होने की पुष्टि हुई। इस गंभीर बीमारी की खबर से सहमे परिवार को डॉक्टरों ने ढांढस बंधाया और आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपलब्ध नि:शुल्क उपचार का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया।

### सेवा संकल्प अभियानः सेवा और सुशासन से बदली ग्रामीणों की जिंदगी

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेशभर में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' सेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बन रहा है। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के ग्राम पंचायत गुजरा में जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीणों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी सामने आई है। घर-घर नल पहुंचने से ग्रामीणों को वर्षों से चली आ रही पेयजल की परेशानी से राहत मिली है। गरियाबंद विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गुजरा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नलजल प्रदाय योजना के माध्यम से ग्रामीणों को घर-घर नल से शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस गॉव में लगभग 260 घर हैं और करीब 700 की आबादी निवास करती है। गांव को 28 दिसंबर 2023 को 'हर घर जल' घोषित किया गया। योजना के तहत गांव में 40 किलोलीटर क्षमता की पानी टंकी 12 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित की गई है। जल एवं स्वच्छता समिति का गठन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण, स्वच्छता और नलजल व्यवस्था के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही गांव के ही एक व्यक्ति को 'नल जल मित्र' के रूप में पंप संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है। जिससे स्थानीय स्तर पर जल व्यवस्था के संचालन और रख-रखाव में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। नल कनेक्शन मिलने से पहले ग्रामीणों को सार्वजनिक हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था।

# छात्रों की गूंज कार्यक्रम में 'मां' का अपमान सीएम साय ने भावुक कविता से दी नसीहत

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मां के प्रति सम्मान और भारतीय संस्कृति में मां के सर्वोच्च स्थान को रेखांकित करते हुए सोशल मीडिया पर भावपूर्ण वीडियो साझा किया है। मुख्यमंत्री ने इसके साथ अपनी भावनाओं को कविता की पंक्तियों में अभिव्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में उल्लेख किया है-

मां है ममता, मां है करुणा, मां जीवन का आधार है,
मां के चरणों में समर्पित पूरा ये संसार है।
मां का करे अपमान वो कुपुत्र ही कहलायेगा,
मां का करे तिरस्कार वो कहीं ठौर न पायेगा।

मुख्यमंत्री साय ने किसी राजनीतिक व्यक्ति का नाम लिए बिना अपने संदेश के माध्यम से मां के प्रति सम्मान और मर्यादा बनाए रखने की सीख दी है। उन्होंने यह संदेश ऐसे समय साझा किया है, जब इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कॉमेडी प्रस्तुति को लेकर राजनीतिक विवाद चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि इंदौर में आयोजित उक्त कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में स्टैंड-अप कॉमेडियन पुलकित मणि ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बोलने की शैली और हाव-भाव की मिमिक्री की थी। प्रस्तुति के एक हिस्से में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भीड़ में मौजूद बुजुर्ग माताजी के लिए कुर्सी उपलब्ध कराने को कहने से जुड़े प्रसंग को भी शामिल किया गया। इसे लेकर भाजपा के अनेक नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया है कि हास्य के नाम पर मां और मातृशक्ति के सम्मान को ठेस पहुंचाई गई। कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी मंच पर मौजूद थे और प्रस्तुति पर उनकी प्रतिक्रिया को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है।

इसी घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का मां की महिमा और सम्मान को समर्पित संदेश सामने आया है। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय मां के प्रति भारतीय समाज की श्रद्धा, संवेदना और संस्कार को केंद्र में रखा है।

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय कवि ओम व्यास की मां पर केंद्रित प्रसिद्ध काव्य रचना का वीडियो भी साझा किया। मां के त्याग, ममता, वात्सल्य और संतान के जीवन में उनके अतुलनीय स्थान को अभिव्यक्त करती यह रचना सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

मुख्यमंत्री साय के संदेश का भाव स्पष्ट है कि मां केवल एक संबंध नहीं, बल्कि ममता, करुणा, त्याग और संस्कार का स्वरूप है। भारतीय संस्कृति में मां को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और उनका सम्मान सामाजिक एवं सांस्कृतिक मर्यादा का अभिन्न हिस्सा है। वैचारिक अथवा राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन मां के प्रति सम्मान की मर्यादा सदैव अक्षुण्ण रहनी चाहिए।

मुख्यमंत्री द्वारा साझा की गई पंक्तियां इसी सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करती हैं कि जिस मां के स्नेह, त्याग और संस्कारों से व्यक्ति का जीवन आकार लेता है, उसका सम्मान प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है।

# जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

■ कुंवार नवरात्र में स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं, बोली-भाखा, पहनावा, खान-पान और तीज-त्योहारों के संरक्षण के साथ संवर्धन को लेकर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के डीआरएम को ज्ञापन सौंपा है। पार्टी ने मांग की है कि छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीज-त्योहारों के अवसर पर रायपुर मंडल के रेलवे स्टेशनों में पारंपरिक और प्रमाणित छत्तीसगढ़ी लोकगीत के साथ लोकधुन बजाए जाएं। साथ ही उन्होंने कुवार नवरात्र में स्पेशल ट्रेन चलाने की भी मांग की है।

पार्टी ने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर देश के अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों की संस्कृति से जुड़े गीत-संगीत सुनाए जाते हैं। इसी तर्ज पर छत्तीसगढ़ के प्रमुख त्योहारों के समय छत्तीसगढ़ी लोकगीत और लोकधुन बजाए जाने से स्थानीय लोगों में अपनी माटी और संस्कृति के प्रति अपनापन एवं गर्व की भावना मजबूत होगी। वहीं, दूसरे राज्यों से आने वाले यात्रियों को भी छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

इसी के साथ ही जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने कुवार नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए विशेष ट्रेनों के संचालन की मांग भी की गई है। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले प्रमुख शक्ति पीठ और रूटों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग रखी है। साथ ही रायपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशनों और प्रमुख मार्गों पर भी नवरात्र के दौरान यात्रियों एवं भक्तों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनें संचालित करने का आग्रह किया गया है।

# कांग्रेस के संपर्क में कई भाजपा नेता: बैज

## पुरंदर का पलटवार, बोले- बैज जहां से टिकट मांगेंगे वहीं से देंगे

**रायपुर।** पीसीसी चीफ दीपक बैज भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, बीजेपी के भीतर भगदड़ मची हुई है। आधा दर्जन से ज्यादा पूर्व विधायक हमारे संपर्क में हैं। आने वाले दिनों में बड़ा प्रवेश होने वाला है। जो नेता कांग्रेस छोड़कर गए हैं वो भी हमारे संपर्क में हैं। चुनाव के दो साल पहले इस्तीफे का दौर शुरू हो गया है।

पीसीसी चीफ के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा, दीपक बैज बीजेपी विधायकों के संपर्क में है। बीजेपी में शामिल होने के लिए बैज निवेदन कर रहे हैं। पुरंदर ने कहा, दीपक बैज जहां से टिकट मांगेंगे उन्हें बीजेपी वहीं से टिकट देगी। कांग्रेस में बैज की पूछ परख बंद हो गई है।

राहुल गांधी की सभा में मां की मिमिक्री पर बीजेपी हमला बोल रही। इस पर दीपक बैज ने कहा, क्या सिर्फ मोदी की मां ही मां है, दूसरे की मां मां नहीं है क्या? जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड किसने कहा था? आपने शुरू किया तो आपको सुनना पड़ेगा। बैज ने कहा, सबसे बड़े कॉमेडियन तो खुद मोदी हैं। पीएम मोदी को फिल्मों में काम करना चाहिए।

कांग्रेस नेता एजाज ढेबर को फिरौती की धमकी मिलने पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, छत्तीसगढ़ में अपराधियों का राज चल रहा है। कांग्रेस के बड़े नेता के परिवार से 50 करोड़ रुपए मांगा गया है। इस मामले की सरकार को गंभीरता से जांच करानी चाहिए।

# स्वास्थ्य व्यवस्था पर बैज ने स्वास्थ्य मंत्री को दी चुनौती

■ कहा- कोई भी अस्पताल चलने तैयार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की सियासत में नेताओं के बीच जुबानी जंग का सिलसिला जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंचायत मंत्री विजय शर्मा के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर हुई बहस के बाद अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को चुनौती दी है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल पर निशाना साधते हुए उन्हें चुनौती दी है। बैज ने कहा है कि वे प्रदेश के किसी भी अस्पताल में जाकर जमीनी स्थिति देखने के लिए तैयार हैं। बैज की ओर से स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए जाने के बाद मामला राजनीतिक बहस में बदल गया।

दीपक बैज की चुनौती पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी पलटवार करते हुए इसे स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि दीपक बैज उनके पुराने मित्र हैं और वे उनका सम्मान करते हैं। अस्पताल का चयन भी बैज अपनी पसंद से कर सकते हैं।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बस्तर क्षेत्र या रायपुर का कोई भी अस्पताल चुन लिया जाए, वे वहां साथ चलने के लिए तैयार हैं। वे स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक मित्र के रूप में भी उनके साथ जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि अगर दीपक बैज किसी अस्पताल का जायजा लेने जाना चाहते हैं तो उन्हें इसकी जानकारी भेज दें। जाना होगा तो खबर भेज दें, जरूर जाएंगे। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कांग्रेस को लेकर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में चर्चा करने का कोई इंफेक्शन आ गया है। अब दोनों नेताओं की चुनौती के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि अस्पताल का चयन कब और कहां होता है और क्या दोनों नेता साथ में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचते हैं।

# कलेक्टर-एसपी ने ली विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों की बैठक

■ विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

**रायपुर।** कलेक्ट्रेट रायपुर में आज कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने जिले में संचालित विभिन्न विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। इस बैठक में विदेशी विद्यार्थियों के सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवास, संस्थानों की जिम्मेदारी, स्थानीय प्रशासन के साथ पुलिस के साथ समन्वय को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेशी विद्यार्थी भारत में अध्ययन के लिए आते हैं, इसलिए उनके लिए सुरक्षित, अनुशासित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

बैठक में विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को निर्देशित किया गया कि विदेशी विद्यार्थियों के आवास के साथ आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में जो विदेशी विद्यार्थी विश्वविद्यालय/कॉलेज के छात्रावास से बाहर निजी मकानों, पीजी या अन्य स्थानों पर रह रहे हैं, उन्हें अगले 15 से 30 दिनों के अंदर संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए अथवा संस्थान से संबद्ध सुरक्षित छात्रावास में स्थानांतरित करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस संबंध में संस्थानों को विद्यार्थियों की सुविधा, सुरक्षा, स्थानीय परिस्थितियों और उपलब्ध आवासीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। बैठक में कहा गया कि किसी भी अप्रिय घटना, दुर्घटना या कानून-विरोधी गतिविधि की स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही उसके संभावित कारणों की पहचान कर आवश्यक निरोधात्मक कदम उठाए जाएं।

प्रशासन और पुलिस को स्थानीय नागरिकों से समय-समय पर विदेशी विद्यार्थियों से संबंधित शिकायतों के साथ सूचनाएं प्राप्त होती रही हैं। कुछ मामलों में विद्यार्थियों द्वारा अनुशासनहीनता या कानून-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने की आशंका से संबंधित शिकायतें भी सामने आई हैं। इन शिकायतों को ध्यान में रखते हुए संस्थानों को अपने स्तर पर प्रभावी निगरानी, काउंसलिंग और अनुशासन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

यह स्पष्ट किया गया कि किसी भी विद्यार्थी के विरुद्ध केवल उसकी राष्ट्रीयता के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। कानून का उल्लंघन करने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में यह भी चर्चा हुई कि विभिन्न देशों से आने वाले विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भारत की स्थानीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों से अलग हो सकती है। ऐसे में विश्वविद्यालयों को चाहिए कि विदेशी विद्यार्थियों को भारतीय कानून, स्थानीय सामाजिक व्यवहार, रीति-रिवाज, सार्वजनिक आचरण एवं स्थानीय संवेदनशीलताओं के संबंध में आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करें।

# नवा रायपुर में सजेगी तीज उत्सव की रंगत

■ विस अध्यक्ष सिंह और मुख्यमंत्री साय की उपस्थिति में होगा आयोजन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति, आत्मीयता और पारंपरिक तिहारों की मिठास को सहेजने के उद्देश्य से नवा रायपुर में भव्य तीज मिलन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा की मेजबानी में यह गरिमामय उत्सव 22 सितंबर 2026, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से संध्या 4 बजे तक एम.-12, सेक्टर-24, अटल नगर, नवा रायपुर में संपन्न होगा।

छत्तीसगढिया अस्मिता और पारंपरिक पर्वों के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में आयोजित इस विशेष समागम में प्रदेश की शीर्ष हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अपनी धर्मपत्नी श्रीमती वीणा सिंह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इसके साथ ही राज्य के कई मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी इस सांस्कृतिक संध्या के साक्षी बनेंगे। इस आयोजन के संदर्भ में मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व केवल धार्मिक या सांस्कृतिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि ये आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता की मजबूत बुनियाद हैं। इस तीज मिलन उत्सव का मूल उद्देश्य अपनी समृद्ध परंपराओं और छत्तीसगढिया संस्कृति की मिठास को आपस में बांटना तथा आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़कर रखना है। इस अवसर पर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों, लोक-संस्कृति के रंगों और तीजा पर्व के आत्मीय अनुष्ठानों का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

# उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 126.92 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

## सेवा संकल्प अभियान : शहर के विकास के लिए चार और बड़े कार्यों की घोषणा की

**रायगढ़।** सेवा संकल्प अभियान के तहत रायगढ़ में विकास कार्यों को गति देने सोमवार को संत पूज्य श्री प्रियदर्शी राम जी ऑडिटोरियम पंजरी प्लांट रायगढ़ में भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में नगर निगम और लोक निर्माण विभाग के कुल 126.92 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण हुआ। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शहर के विकास के लिए चार और बड़े कार्यों की घोषणा की। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी दिल्ली से वर्चुअली कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को पूर्ण हो चुके आवासों की प्रतीकात्मक चॉबी भी सौंपी गई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि रायगढ़ तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रायगढ़ जिले को विकसित जिला बनाने के लिए तेज गति से काम किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकास कार्यों को गति देने के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ नगर निगम की ओर से लगभग 10 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सूची उन्हें दी गई है। इन कार्यों के लिए शीघ्र स्वीकृति प्राप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होगी।

उप मुख्यमंत्रीसाव ने कहा कि शहर की जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने शहर के विकास के लिए चार अतिरिक्त कार्यों की घोषणा की। इनमें संजय मार्केट के निर्माण एवं उन्नयन के लिए 15.67 करोड़ रुपए, रामलीला मैदान के विकास, मंच एवं पवेलियन निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपए, तालाब के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए 4.99 करोड़ रुपए तथा केवड़ाबाड़ी से मरीन ड्राइव तक सनलाईजेशन कार्य के लिए 9.97 करोड़ रुपए शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि रायगढ़ में सड़क, नाली, जल निकासी, बाजार, खेल और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ औद्योगिक गतिविधियों के साथ अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान के लिए भी जाना जाता है। विकास कार्यों के माध्यम से शहर की सुविधाओं को बेहतर बनाते हुए रायगढ़ को विकसित और सुव्यवस्थित शहर के रूप में आगे बढ़ाना है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों से कहा कि विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने दिल्ली से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में रायगढ़ नगर निगम को विभिन्न योजनाओं के तहत 384.66 करोड़ रुपए के कार्यों की स्वीकृति मिली है। वहीं लोक निर्माण विभाग के माध्यम से जिले में सड़क, भवन और पुल सहित विभिन्न कार्यों के लिए 1426 करोड़ रुपए की स्वीकृति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रायगढ़ के रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। रायगढ़-घरघोड़ा फोरलेन तथा पूंजीपथरा-तमनार फोरलेन की दिशा में भी कार्य आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा तमनार-उरगा-लैलूंगा, तमनार बाईपास, कया-कमतरा- चरखापारा-ससकोबा-बंधनपुर और कोड़ातराई-पुसौर फोरलेन सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं का भी उन्होंने उल्लेख किया। उन्होंने रायगढ़ में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, संगीत महाविद्यालय भवन और वर्किंग वूमेन हॉस्टल जैसे कार्यों की जानकारी भी दी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ की अधोसंरचना को उसकी औद्योगिक पहचान के अनुरूप मजबूत किया जा रहा है।

# मोदी और भारतवासियों की जुगलबंदी

**देवी एम. चेरियन**

ऐसे पल आते हैं जब किसी देश को खुद को दुनिया की नजर से देखने का मौका मिलता है। नई दिल्ली में हुआ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसा ही एक पल था। दो दिनों के लिए दिल्ली वैश्विक कूटनीति का केंद्र बन गई। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पहुंचे, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया राजधानी में जमा हुआ और दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली देश एक ही मेज पर बैठे। लेकिन कूटनीति, भाषणों और हाथ मिलाने से परे, दिल्ली की सड़कों पर कुछ और ही हो रहा था। भारत खुद को दुनिया के सामने पेश कर रहा था। और इस बार, भारतीयों के पास गर्व महसूस करने की हर वजह थी। इस पैमाने का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करना कोई छोटा काम नहीं है। अकेले सुरक्षा इंतजाम ही विशाल थे। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को आने वाले नेताओं की आवाजाही से समन्वय बिठाना था, होटलों और स्थानों को सुरक्षित करना था, यातायात के डायवर्जन को संभालना था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आम दिल्ली वासी मोटे तौर पर समझ गए कि यह उनके शहर में आयोजित होने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम था। असुविधाएं तो हुईं, जाहिर है। सड़कें बंद करनी पड़ीं। सफर लंबे हो गए। जाने-पहचाने रास्तों पर अचानक अनजान मोड़ आ गए। लेकिन भारतीयों ने सहयोग किया। उन्होंने पुलिस और प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किया। उन्होंने प्रतिबंधों को स्वीकार किया, अपने शैड्यूल में बदलाव किया और सुरक्षा तंत्र को वह करने दिया जो उसे करना था। किसी सम्मेलन में दुनिया की सबसे बेहतरीन तकनीक और सबसे आधुनिक सुरक्षा प्रणाली हो सकती है लेकिन अगर आम नागरिक सहयोग करने से इंकार कर दे, तो सारा काम मुश्किल हो जाता है। दुनिया ने जो देखा वह एक काफी बदला हुआ भारत था। सुविधाएं प्रभावशाली थीं। आयोजन स्थल आधुनिक थे। भारत मंडपम ने प्रमुख विश्व नेताओं के जमावड़े के लिए एक उपयुक्त माहौल प्रदान किया। इन व्यवस्थाओं ने बड़े, जटिल अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी करने की देश की बढ़ती क्षमता को साबित किया। अपने देश को अंतर्राष्ट्रीय नजरिए से देखने में कुछ अलग ही बात होती है। लेकिन कभी-कभी, देश हमें एक पल के लिए शिकायत करना बंद करने और सीधे यह कहने की वजह देता है-शाबाश। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन उन्हीं पलों में से एक था। और इस सब के केंद्र में थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। किसी की राजनीतिक पसंद चाहे जो भी हो, भारत के प्रधानमंत्री को चीन के शी जिनपिंग और रूस के व्लादिमीर पुतिन जैसे नेताओं के सामने मेज पर बैठे देखना अपने आप में एक स्पष्ट और बड़ा महत्व रखता था। मोदी केवल दरवाजे पर खड़े होकर मेहमानों का स्वागत करने वाले मेजबान भर नहीं थे। भारत वैश्विक शासन के भविष्य, आर्थिक सहयोग, प्रौद्योगिकी, विकास और ग्लोबल साऊथ की ड्क्षचताओं के बारे में बातचीत में एक सक्रिय भागीदार था। यह बात मायने रखती है। ब्रिक्स की मेज पर बैठे देश हर बात पर सहमत नहीं होते। उनके आपस के रिश्ते जटिल हो सकते हैं। उनके आर्थिक और रणनीतिक हित कभी-कभी बिल्कुल अलग दिशाओं में खींच सकते हैं। फिर भी भारत उन्हें दिल्ली में एक साथ लाने में सफल रहा। यह अपने आप में कूटनीति की एक बड़ी उपलब्धि है। हम तेजी से उस बातचीत का हिस्सा बन रहे हैं। और शायद यही वजह है कि आम भारतीयों द्वारा महसूस किया गया गर्व इतना स्पष्ट और गहरा था। यह केवल मोदी के बारे में नहीं था। यह केवल सरकार के बारे में नहीं था। यह केवल ब्रिक्स के बारे में नहीं था। यह एक ऐसे भारत को देखने के बारे में था जो दुनिया की मेजबानी करने की अपनी क्षमता में आश्वस्त दिख रहा था।

# सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

**ललित गर्ग**

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का 'काला दिन' बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गंदे खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मर्यादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकर्ताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझनें न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं।

ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पली-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है। नंदीग्राम उपचुनाव में अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेकर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना इसी रणनीति का भाग है।

संक्षेप में कहा जाए तो ममता बनर्जी का वर्तमान समय उनके राजनीतिक जीवन की सबसे कसौटी पूर्ण परीक्षा का काल है। एक ओर दल में टूट, नाम व प्रतीक का स्थगन और मुकदमों का अंबार है, तो दूसरी ओर अपनी खोई साख को पुनः प्राप्त करने की विशाल चुनौती। इतिहास साक्षी है कि वे संकटों से उभरकर वापसी करने में माहिर रही हैं, किंतु इस बार चुनौती केवल राजनीतिक विरोधियों से नहीं, बल्कि अपनी ही बिखरी हुई विरासत को समेटने की है। अब यह देखना अत्यंत दिलचस्प होगा कि क्या वे अपने जनआंदोलन की पुरानी शैली के बल पर इस राजनीतिक चक्रव्यूह को भेद पाती हैं या नहीं।

**भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय**

## 4-बौद्ध दर्शन का अनात्मवाद

**गतांक से आगे...**

कड़ा, अंगूठी आदि नाना रूपों में रहने वाला एक स्थिर तत्त्व सुवर्ण है, जो कि नाना धर्म कुण्डल, कड़ा, अंगूठी आदि में रहने वाले स्थिर आत्मा के समान है। और वेदान्त के अनुसार इस विश्वरूपी प्रपञ्च के सारे पदार्थ निथ्या-रूप से एक अद्वैत तत्त्व ब्रह्म में प्रकट होते हैं, जोकि एकमात्र सम्पूर्ण देश और सम्पूर्ण काल में रहने वाला नित्य और स्थिर पदार्थ है।

वह ब्रह्म ही सारे विश्व की आत्मा है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि बौद्ध का अनात्मवाद केवल ज्ञानों की धारा में अथवा दूसरे शब्दों में प्रत्येक प्राणी में रहने वाली स्थिर आत्मा का ही निषेध नहीं है प्रत्युत वह न्याय-वैशेषिक में माने गये अवयवों में रहने वाले अवयवी यां द्रव्य का भी निषेध है और सांख्य में माने गये सारे विकारों में रहने वाले स्थिर तत्त्व का भी, और वेदान्त में माने गए एक अद्वैत तत्त्व का भी निषेध है। अतख जहां वैदिक दर्शनों का मूल तत्त्व आत्मवाद है, वहां बौद्ध दर्शन का मूल मन्त्र अनात्मवाद है। यही अनात्मवाद का सिद्धान्त, जैसा कि ऊपर कहा गया है, बौद्ध दर्शन और वैदिक दर्शनों के बीच में एक विभाजक रेखा है।

**6- बौद्धों के दार्शनिक सम्प्रदायों का विभाग**

वैदिक दर्शन को मानने वाले ग्रन्थकारों के द्वारा भारतीय दर्शन के विभाजन में जहां एक ओर वेदान्त, सांख्य, न्याय आदि अनेक वैदिक दर्शन गिनाए गए हैं वहां दूसरी ओर बौद्ध दर्शन को केवल एक दर्शन मानकर बौद्धों के भिन्न भिन्न सम्प्रदाय उसी के अन्तर्गत दिखा दिये जाते हैं। यह शैली सर्वथा भ्रमपूर्ण है, क्योंकि वास्तविक बात यह है कि बौद्धों के विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदाय एक दूसरे से उतने ही पृथक् हैं, जितने कि वेदान्त, सांख्य, न्याय आदि वैदिक सम्प्रदाय।

**क्रमशः ...**

# सिखों के पहले गुरु और महान दार्शनिक थे गुरु नानक देव

**अनन्या मिश्रा**

हर साल 22 सितंबर को सिख धर्म के संस्थापक और सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक देव जी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। इस दिन हर गुरुद्वारे में गुरुवाणी का पाठ किया जाता है। समाज में बढ़ रही कुरीतियों को देखकर गुरु नानक देव आहत होते थे और उनको बदलना चाहते थे। गुरु नानक देव एक दार्शनिक थे, जिस कारण उन्होंने यह भांप लिया था कि समाज में फैली कुरीतियां न सिर्फ समाज को खोखला कर रही हैं, बल्कि इससे मनुष्य पतन की ओर जा रहा है। गुरु नानक देव एक महान दार्शनिक, धर्म के ज्ञाता और समाज सुधाकर थे।

कार्तिक मास की पूर्णिमा को 15 अप्रैल 1469 को रावी नदी के किनारे स्थित तलवंडी नामक स्थान पर गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम मेहता कालू और माता जी का नाम तृप्ता था। आगे चलकर इस स्थान का नाम ननकाना साहिब पड़ा। बताया जाता है कि गुरु नानक देव जी बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे और उनके साथ बचपन में कई चमत्कारिक घटनाएं घटीं। इसके बाद गांव के लोग उनको दिव्य पुरुष मानने लगे थे।

गुरु नानक देव के अनुयायी उनको नानकदेव, नानक, बाबा नानक और नानक शाह जी के नामों से संबोधित करते हैं। गुरु नानक देव ने इक ओंकार का संदेश फैलाया था। गुरु नानक देव जी का मानना था कि परम-पिता परमेश्वर एक हैं, इसलिए हमेशा एक ईश्वर की साधना में मन लगाना चाहिए। हर व्यक्ति को ईमानदारी और मेहनत से अपना पेट भरना चाहिए।

गुरु नानक देव ने 1500CE में सिख धर्म की स्थापना की थी। वह अपने मोक्ष के उपदेश और आत्मज्ञान से समाज के मार्गदर्शन बने थे। गुरु नानक देव ने हिंदू और इस्लाम दोनों धर्मों के विश्वासों से अलग एक सोच और समुदाय तैयार किया था। गुरु नानक देव ने करीब 30 सालों तक तिब्बत, भारत और अरब जैसे देशों में आध्यात्मिक यात्राएं की। इस दौरान वह जीवन, मरण और ईश्वर के मुद्दों पर अपने विचारों के आधार पर लोगों को उपदेश देने लगे। सिख धर्म के 10 गुरुओं में गुरु नानक देव जी का नाम सबसे पहले आता है।

बता दें कि गुरु नानक देव जी ने अपनी यात्राओं के दौरान कई जगह पर डेरा जमाया था। उन्होंने समाज की कुरीतियों का विरोध किया था। गुरु नानक देव ने मूर्ति पूजा को निर्थक माना और रूढ़िवादी सोच का भी विरोध किया।

उस महामानव को राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब देश की बड़ी जन-कल्याणकारी योजनाएं उस महान शासक के नाम पर हो। उनकी जयंती हमें स्मरण कराती है कि यदि हमें एक सुखी, समृद्ध और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण करना है तो उनके आदर्शों को अपनाना होगा। वे हमें यह संदेश देते हैं कि संपत्ति तभी सार्थक है जब वह समाज के साथ बाँटी जाए, शक्ति तभी महान है जब वह सबके कल्याण में लगे और शासन तभी सफल है जब वह न्याय और करुणा पर आधारित हो।

गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन का आखिरी समय पाकिस्तान के करतारपुर में बिताया था। वहीं 22 सितंबर 1539 को गुरु नानक देव की मृत्यु हो गई।

# युद्ध की आग से तपती दुनिया में शांति की तलाश

**योगेश कुमार गोयल**

पूरी दुनिया आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट, साइबर हमले और सामाजिक असहिष्णुता ने मानवता की साझा आकांक्षाओं को बारंबार चुनौती दी है। ऐसे में शांति का विचार केवल युद्ध न करने तक सीमित नहीं रह गया है। शांति आज जीवन, न्याय, समानता, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक संतुलन से जुड़ी एक व्यापक संस्कृति है। 21 सितंबर को मनाया जाने वाला 'अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस' इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक विषय 'शांति में निवेश करें = हर किसी के लिए, हर जगह, हर दिन' के तहत मानवता के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1981 में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की स्थापना का उद्देश्य युद्ध और हिंसा के दुष्परिणामों पर ध्यान दिलाना था। आज के वैश्विक परिदृश्य में इसका महत्व पहले से कहीं अधिक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व में लगभग 2.4 अरब लोग किसी न किसी रूप में संघर्षों से प्रभावित हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि शांति केवल कूटनीतिक वार्ताओं का विषय नहीं है बल्कि वैश्विक नीति, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्थिक न्याय से जुड़ा एक जटिल मुद्दा है।

शांति की संस्कृति का निर्माण यूनेस्को के उस मूल सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें कहा गया है कि 'युद्ध मनुष्यों के दिमाग में शुरू होते हैं, इसलिए शांति की रक्षा मनुष्यों के दिमाग में ही की जानी चाहिए।' यह दृष्टिकोण आधुनिक समय में मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सहिष्णुता से जुड़ा है। यदि बच्चों को बचपन से ही विविधता का सम्मान करना, संवाद करना, अहिंसक समाधान अपनाना और मानवाधिकारों का मूल्य समझाना सिखाया जाए तो आने वाली पीढ़ियां संघर्षों के बजाय सहयोग की संस्कृति अपनाएंगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, मानसिक तनाव और अकेलापन हिंसा

और अपराध की ओर ले जाने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, योग-ध्यान, परामर्श और सामुदायिक समर्थन शांति निर्माण का आधार बन सकते हैं। शांति का संबंध शिक्षा से भी गहराई से जुड़ा है। विश्वभर में लगभग 24 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर हैं, जिनमें अधिकांश संघर्षग्रस्त या गरीब क्षेत्रों से हैं। शिक्षा से वंचित बच्चों में हिंसा, कट्टरता और असमानता की प्रवृत्तियां बढ़ जाती हैं। इसलिए शिक्षा को शांति निर्माण के केंद्र में लाना होगा। शिक्षा कार्यक्रमों में मानवाधिकारों, लोकतंत्र, लैंगिक समानता, जलवायु जागरूकता और डिजिटल साक्षरता को शामिल करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा पिछले वर्षों में दिए गए शांति दिवस के विषयों का विश्लेषण बताता है कि शांति के लिए समय-समय पर बदलती चुनौतियों के अनुरूप नीति निर्माण की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, 2010 में 'शांति और विकास के लिए युवा' पर बल दिया गया जबकि 2019 में 'शांति के लिए जलवायु कार्रवाई' जैसे विषयों ने पर्यावरणीय संकट को शांति का केंद्रीय मुद्दा बनाया। कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 का विषय 'एक साथ शांति को आकार देना' यह दर्शाता है कि वैश्विक संकटों के समय सहयोग की संस्कृति ही समाधान का आधार बनती है। इसी प्रकार 2024 का विषय 'शांति की संस्कृति का विकास करना' यह इंगित करता है कि शांति को केवल युद्धविराम की अवधि तक सीमित नहीं रखा जा सकता, इसे समाज के प्रत्येक स्तर पर विकसित करना होगा।

आर्थिक असमानता शांति की राह में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में वैश्विक बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत तक पहुंची जबकि करोड़ों लोग आज भी अनौपचारिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं, जहां सामाजिक सुरक्षा का अभाव है। बेरोजगारी और आर्थिक असमानता हिंसा, अपराध और सामाजिक असंतोष को जन्म देती है। इसलिए शांति निर्माण के लिए आर्थिक नीति में समावेशी विकास को केंद्र में रखना आवश्यक है। वैश्विक विकास लक्ष्यों के तहत 2030 तक 'कोई गरीबी नहीं' और 'उचित काम और आर्थिक वृद्धि' जैसे लक्ष्यों को प्राथमिकता देना शांति निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। शांति के लिए न्याय और पारदर्शिता भी अपरिहार्य हैं। जब नागरिकों को न्याय नहीं मिलता या प्रशासन भ्रष्ट होता है तो विश्वास समाप्त हो जाता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के 180 में से अधिकांश देशों में भ्रष्टाचार एक बड़ी चुनौती है। शांति निर्माण के लिए स्वतंत्र न्याय प्रणाली, पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम आवश्यक हैं। नागरिकों को सूचना का अधिकार, शिकायत निवारण तंत्र और डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जाने चाहिएं ताकि वे शासन में सक्रिय भूमिका निभा सकें। शांति केवल प्रशासनिक व्यवस्था से नहीं बल्कि नागरिकों की भागीदारी और विश्वास से भी बनती है।

शांति निर्माण में संस्कृति, कला और संवाद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, संगीत समारोह, नाटक, साहित्य और खेल प्रतियोगिताएं लोगों के बीच विश्वास और सहयोग का पुल बना सकते हैं। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में सांस्कृतिक कार्यक्रम मानसिक आघात से उबरने में मदद कर सकते हैं। महात्मा गांधी का यह कथन कि 'शांति का कोई मार्ग नहीं है, शांति ही मार्ग है' हमें याद दिलाता है कि शांति कोई लक्ष्य नहीं, जीवन का तरीका है। इसी तरह अल्बर्ट आइंस्टीन का यह विचार कि 'शांति बल से नहीं बल्कि समझ से कायम रहती है' बताता है कि संवाद और समझ ही स्थायी समाधान का आधार हैं। पर्यावरण संरक्षण भी शांति निर्माण का आवश्यक अंग है। जलवायु परिवर्तन की वजह से उत्पन्न प्राकृतिक आपदाएं, जल संकट और खाद्य असुरक्षा संघर्षों को बढ़ा सकती हैं। इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, जैव विविधता का संरक्षण और सतत कृषि को बढ़ावा देना आवश्यक है।

महिलाओं की सहभागिता शांति निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष क्षेत्रों में महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं, फिर भी शांति वार्ताओं में उनकी भागीदारी बेहद सीमित है। शोध बताते हैं कि जहां महिलाओं को शांति प्रक्रियाओं में शामिल किया जाता है, वहां संघर्ष समाप्त होने की संभावना 35 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसलिए महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देना, उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाएं और राजनीतिक मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। आज की दुनिया में शांति की संस्कृति का निर्माण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, व्यक्ति, समुदाय, नागरिक समाज, मीडिया, शैक्षणिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय संगठन सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। व्यक्तिगत स्तर पर जिम्मेदार व्यवहार, सहिष्णुता, मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल और संवाद की संस्कृति विकसित करनी होगी। सामुदायिक स्तर पर स्थानीय शांति समितियों का गठन, युवा नेतृत्व कार्यक्रम, सांस्कृतिक मेलों का आयोजन और सहयोगी नेटवर्क बनाना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य, जलवायु समझौते और शांति निर्माण कार्यक्रमों का समर्थन करना होगा। तभी एक ऐसा विश्व संभव होगा, जहां युद्ध और हिंसा के स्थान पर संवाद, सहयोग और मानवता का सम्मान प्रमुख होगा। शांति का मार्ग कठिन अवश्य है परंतु यदि हम शिक्षा, संवाद, न्याय, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक स्वास्थ्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर कार्य करें तो स्थायी शांति का निर्माण संभव है।

## आज का इतिहास

1539 सिख संप्रदाय के पहले गुरु नानक देव जी का करतारपुर में निधन। पाकिस्तान स्थित इस जगह को अब डेरा बाबा नानक के नाम से जाना जाता है।
1789 अमेरिकी कांग्रेस ने पोस्टमास्टर जनरल के कार्यालय को अधिकृत किया।
1792 फ्रांस गणराज्य की स्थापना की घोषणा हुई।
1903 अमेरिकी नागरिक इटालो मार्चिओनी को आइसक्रीम कोन के लिए एक पेटेंट दिया गया।
1914 मद्रास बंदरगाह पर जर्मन युद्धपोत इम्देन ने बमबारी की।
1949 सोवियत संघ ने पहला परमाणु बम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
1955 ब्रिटेन में टेलीविजन का व्यावसायीकरण शुरू हुआ। इसमें प्रत्येक घंटे सिर्फ छह मिनट ही विज्ञापन के प्रसारण की अनुमति दी गयी और रविवार सुबह में इसे चलाने की इजाजत नहीं थी।
1961 अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने शांति कोर की स्थापना के लिये कांग्रेस के अधिनियम पर हस्ताक्षर किए।
1966 अमेरिकी यान 'सर्वेयर 2' चंद्रमा की सतह से टकराया।
1977 अमेरिकी फुटबॉल टीम पेले के नेतृत्व में दो प्रदर्शनी मैच खेलने कलकत्ता (अब कोलकाता) पहुंची।
1980 ईरान और इराक के बीच जारी सीमा संघर्ष युद्ध के रूप में परिवर्तित हुआ।
1988 कनाडा की सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान और कनाडा के नागरिकों की नजरबंदी के लिए माफी मांगी और मुआवजा देने का भी वादा किया।
1991 प्रसिद्ध अभिनेत्री दुर्गा खोटे, का निधन हुआ था।
1992 संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बोस्निया और हर्जेगोविना के बीच युद्ध में भूमिका के लिए यूगोस्लाविया को निष्कासित किया।
2002 फ्रांस ने आइवरी कोस्ट में अपनी सेना भेजी।
2006 अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के कंस्ट्रक्शन मिशन पर गये अटलांटिस स्पेश क्राफ्ट सकुशल अमेरिका के केनेडी स्पेस सेंटर पर उतरा। नेशनल कैडिट कोर का 10 सदस्यीय दल मॉस्को के लिए रवाना।
2007 ईरान ने 1800 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली मिसाइल धद्र का प्रदर्शन किया। नासा के एअर क्राफ्ट ने मंगल ग्रह पर गुफाओं जैसी सात आकृतियों का पता लगाया।
2008 प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह अमेरिका और फ्रांस की दस दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए।
2011 मशहूर भारतीय क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी का निधन हुआ था।

# भारत जोड़ो यात्रा के बाद छात्रों की गूंज: क्या कांग्रेस तलाश रही है नया वोट बैंक?

**सौरभ वार्ष्णेय**

राजनीति में जन रैलियां और जनसंपर्क अभियान, जन सभायें केवल भीड़ जुटाने या एकत्रित करने के साधन नहीं होते। वरन राजनीतिक दलों को समाज के अलग-अलग वर्गों के साथ अपना रिश्ता बनाने, मुद्दों को पहचान देने और पार्टी संगठन को नई ऊर्जा देने संचार का अवसर भी देते हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस के कर्णधार राहुल गांधी की छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पहल इसी दृष्टि से जनता की ओर अवना ध्यान खींच रही है। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस छात्रों के बीच अपनी विचारधारा और राजनीतिक संदेश को पहुंचाने में सफल हो रही है या यह आने वाले चुनावों के लिए नए वोट बैंक की तलाश की रणनीति है?

कांग्रेस का 17 जून 2026 को राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ छात्रों की गूंज अभियान अब देहरादून, प्रयागराज और पुणे तक पहुंच चुका है। कांग्रेस ने इसे केवल राहुल गांधी के कुछ कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा है। पार्टी ने इसके विस्तार की योजना बनाई है। जानकारी के अनुसार पहले चरण में 28 कार्यक्रम और आगे 800 शहरों या जिलों तक छात्र संपर्क बढ़ाने की योजना है। यहीं से इस अभियान का राजनीतिक महत्व समझ में आता है। हालांकि इसे विरोधी भी समझ रहे हैं लेकिन पेपर लीक समस्या का समाधान न मिलने से वह कांग्रेस के आगे शांति दिखाई दे रहे हैं।

अगर हम कांग्रेस की नई रणनीति की बात करें तो भारत जोड़ो यात्रा का मूल स्वर व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संपर्क था। राहुल गांधी ने पैदल यात्रा के माध्यम से विभिन्न राज्यों में लोगों से जनसंवाद किया। वह यात्रा कांग्रेस के लिए राजनीतिक पुन सम्पर्क का बड़ा प्रयोग थी क्योंकि राहुल गांधी की छवि जो प्रतिपार्टी ने धूमिल कर रखी थी उसे निखारने का का यह अवसर था जो कि बखूबी सिद्व सफल हुआ।छात्रों की गूंज का दायरा अपेक्षाकृत ज्यादा केंद्रित है। यहां निशाना एक खास सामाजिक समूह है छात्र, प्रतियोगी परीक्षा देने वाले युवा और रोजगार की तलाश में लगे नौजवान। कोटा में परीक्षा, शिक्षा का खर्च, प्रवेश की मुश्किलें और छात्रों के मानसिक दबाव जैसे मुद्दे उठाए गए। रिपोर्ट के अनुसार उस कार्यक्रम में 4,000 से अधिक लोग पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की थी। देहरादून में पेपर लीक, सरकारी नौकरियों और बेरोजगारी जैसे सवाल सामने आए। प्रयागराज में भी पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं और रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस ने छात्र राजनीति के लिए मुद्दों का एक निश्चित पैकेज तैयार किया है। पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और रोजगार के अवसर।इसका जवाब फिलहाल हां, लेकिन सीमित अर्थ में' दिया जा सकता है। कांग्रेस ने छात्रों के सामने ऐसे मुद्दे रखे हैं जो उनके रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाला छात्र पेपर लीक को किसी राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि अपने कई वर्षों के परिश्रम से जुड़े सवाल के रूप में देखता है। नौकरी की तैयारी करने वाले युवा के लिए भर्ती परीक्षा में देरी या परीक्षा रद्द होना सीधे उसके भविष्य से जुड़ता है। यही वह जगह है जहां कांग्रेस को राजनीतिक अवसर दिखाई दे रहा है।

प्रयागराज में बड़ी संख्या में छात्र और परीक्षा अभ्यर्थी कार्यक्रम में पहुंचे और कई ने परीक्षा व्यवस्था तथा रोजगार से जुड़े सवाल उठाए। लेकिन यहां सावधानी जरूरी है। किसी राजनीतिक कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी को सीधे कांग्रेस के समर्थन या वोट में बदल देना सही निष्कर्ष नहीं होगा। कार्यक्रम में आना, राहुल गांधी की बात सुनना और कांग्रेस को वोट देना तीन अलग-अलग बातें हैं। अभी यह कहना अधिक

उचित होगा कि कांग्रेस ने छात्रों के बीच अपने मुद्दे पहुंचाने के लिए एक प्रभावी मंच बनाया है। यह मंच भविष्य में कितना राजनीतिक समर्थन पैदा करता है, इसका प्रमाण चुनाव और स्वतंत्र जनमत सर्वेक्षण ही देंगे। राजनीति में किसी समूह के बीच लगातार संपर्क अभियान चलाना स्वाभाविक रूप से राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश भी होता है। कांग्रेस के मामले में यह बात इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि पार्टी ने छात्रों की गूंज' को चार शहरों तक सीमित नहीं रखा है। कांग्रेस की योजना 800 शहरों/जिलों तक पहुंचने की बताई गई है। पार्टी के भीतर इसे युवा मतदाताओं तक व्यापक पहुंच बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए इसे केवल सामाजिक संवाद कहना राजनीतिक दृष्टि से अधूरा होगा। लेकिन इसे नया वोट बैंक बन गया' कहना भी जल्दबाजी होगी।

युवा मतदाता कोई एकरूप समूह नहीं है। उसकी प्राथमिकताएं जाति, क्षेत्र, शिक्षा, रोजगार, आर्थिक स्थिति और राजनीतिक विचारों के आधार पर अलग-अलग हो सकती हैं। इसलिए केवल छात्रों के बीच लोकप्रियता का अर्थ यह नहीं कि पूरा युवा वर्ग कांग्रेस के साथ खड़ा हो गया। ससस कांग्रेस के सामने असली चुनौती कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मुद्दे उठाने की नहीं, बल्कि उन मुद्दों को विश्वसनीय राजनीतिक कार्यक्रम में बदलने की होगी। पेपर लीक पर सवाल उठाना आसान है। लेकिन सत्ता में आने पर परीक्षा व्यवस्था को कैसे बदला जाएगा? भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की क्या व्यवस्था होगी? सरकारी नौकरियों की संख्या कैसे बढ़ेगी? निजी शिक्षा की बढ़ती लागत को कैसे नियंत्रित किया जाएगा? प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों पर आर्थिक बोझ कैसे घटेगा? यही कारण है कि छात्रों की गूंज' का अगला चरण केवल भाषणों का विस्तार नहीं, बल्कि नीतिगत प्रस्तावों का विस्तार होना चाहिए। यदि कांग्रेस केवल सरकार विरोधी नारों तक सीमित रहती है तो अभियान की राजनीतिक सीमा भी वहीं तक रह जाएगी। यदि वह छात्रों के मुद्दों पर ठोस नीतिगत विकल्प सामने रखती है तो संवाद का दायरा बढ़ सकता है।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच जाकर संवाद बनाया। छात्रों की गूंज' में वह एक विशिष्ट वर्ग के बीच लगातार जा रहे हैं। अंतर यह है कि भारत जोड़ो यात्रा का संदेश व्यापक था, जबकि छात्रों की गूंज का संदेश मुद्दा-केंद्रित है। इसे कांग्रेस के लिए संगठनात्मक प्रयोग भी माना जा सकता है। उत्तराखंड में कांग्रेस नेताओं ने इस अभियान को युवाओं के साथ पार्टी के पुनसम्पर्क और संगठन को सक्रिय करने के अवसर के रूप में देखा। हरियाणा में भी युवा कांग्रेस ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक 40 दिन के अभियान की योजना बनाई। इसका मतलब है कि राहुल गांधी का कार्यक्रम ऊपर से नीचे तक संगठन में फैलाया जा रहा है।

कांग्रेस के लिए यह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि छात्र और युवा लंबे समय में किसी भी राजनीतिक दल के लिए महत्वपूर्ण मतदाता समूह बन सकते हैं। आज का कॉलेज छात्र आने वाले चुनावों का मतदाता है और उसके राजनीतिक विचार समय के साथ उसके परिवार तथा सामाजिक दायरे को भी प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन राजनीति में किसी अभियान की सफलता का अंतिम पैमाना उसकी चुनावी परिणति होती है। इसलिए छात्रों की गूंज' को सफल या असफल घोषित करने से पहले यह देखना होगा कि क्या छात्रों की राजनीतिक प्राथमिकताएं बदलती हैं, क्या कांग्रेस के प्रति उनका भरोसा बढ़ता है और क्या यह भरोसा मतदान व्यवहार में दिखाई देता है। भारत जोड़ो यात्रा' के बाद छात्रों की गूंज' को कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा सकता है। पहली यात्रा में कांग्रेस ने व्यापक समाज से संवाद की कोशिश की थी, अब वह एक ऐसे वर्ग के बीच लगातार पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है जिसके सामने शिक्षा, परीक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं।

यह केवल छात्र आंदोलन है या नया वोट बैंक बनाने की कवायद इसका अंतिम उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन 28 कार्यक्रमों से लेकर 800 शहरों तक पहुंचने की योजना यह बताती है कि कांग्रेस इसे तात्कालिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक राजनीतिक संपर्क अभियान के रूप में देख रही है। अब गेंद कांग्रेस के पाले में है। छात्रों की समस्याओं को आवाज देना पहला कदम है; उन समस्याओं के समाधान का भरोसेमंद रास्ता बताना दूसरा। यदि कांग्रेस यह दूसरा कदम उठाती है, तभी छात्रों की गूंज एक राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर एक स्थायी युवा आधार बनाने की दिशा में जा सकती है। असली सवाल यह नहीं है कि राहुल गांधी छात्रों के बीच कितनी भीड़ जुटा रहे हैं। असली सवाल यह है कि क्या छात्र उनकी बात को अपने भविष्य की बात मानने लगे हैं?

# सेवा संकल्प अभियान: जनविश्वास ही राष्ट्र निर्माण की शक्ति

**हेमेन्द्र क्षीरसागर**

सेवा संकल्प अभियान भारतीय राजनीति में केवल एक संगठनात्मक अवसर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को स्मरण करने का अवसर बन चुका है। प्रत्येक वर्ष 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनाया जाने वाला यह अभियान विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा-संकल्प के 25 वर्षों की यात्रा से भी जुड़ा है। नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में संवैधानिक दायित्व संभाला और वर्ष 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। इस दीर्घ सार्वजनिक यात्रा में गरीब, वंचित, किसान, महिला, श्रमिक, युवा और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना उनके राजनीतिक चिंतन का प्रमुख आधार रहा है।

सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को जनसेवा से जोड़ना है। इसके अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जाकर आशीर्वाद का दीया, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, पौधरोपण, गरीब कल्याण, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं। इसका सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि राजनीति केवल चुनाव और सत्ता प्राप्ति तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के प्रति निरंतर उत्तरदायित्व का माध्यम बने।

आज के समय में जब राजनीतिक दलों से जनता की अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं, तब सेवा संकल्प संगठन और समाज के बीच संवाद का अवसर भी प्रदान करता है। किसी जरूरतमंद की सहायता, सार्वजनिक स्थान की स्वच्छता, रक्तदान, पौधा लगाना या स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना। ये छोटे प्रयास मिलकर सामाजिक परिवर्तन की बड़ी ताकत बन सकते हैं। सेवा पखवाड़े की सार्थकता तभी है, जब यह केवल कार्यक्रमों और तस्वीरों तक सीमित न रहकर व्यवहार में सेवा-संस्कार का रूप ले।

नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा को यदि एक शब्द में परिभाषित किया जाए तो वह है सेवा। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के सामने भी यही चुनौती है कि वे सेवा को केवल अभियान नहीं, बल्कि अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाएं। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं और जनता के बीच संबंधों में निहित होती है। सेवा के माध्यम से यह संबंध अधिक आत्मीय और मजबूत बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री का जन जीवन यदि समाज के कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम बने। कोई पौधा भविष्य की हरियाली का आधार बने?। किसी मरीज को रक्त मिले?। किसी जरूरतमंद को सहायता मिले और किसी युवा को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिले। तभी सेवा पखवाड़े की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। सेवा संकल्प अभियान इसलिए केवल 17 सितंबर से शुरू होने वाला कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा से राष्ट्र निर्माण की उस सोच को मजबूत करने का अवसर है, जिसमें राजनीति का अंतिम लक्ष्य समाज और राष्ट्र का कल्याण हो। 25 वर्षों के सेवा-संकल्प का संदेश स्पष्ट है। जनसेवा ही जनविश्वास का आधार और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है।

# बिहार में एनडीए सरकार में मुख्यमंत्री को लेकर बदलाव की आवश्यकता

**संजय गोस्वामी**

बिहार में सत्ता हमेशा किसी एक पार्टी के पास नहीं रही है काफी उथल पुथल का दौर रहा है अगर पुराने मुख्यमंत्री की सूची पर नजर डाले तो बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री के सूची पर नजर डालें तो 1977 में जनता पार्टी से कर्पूरी ठाकुर 1979 में रामसुंदर दास सोसलिस्ट पार्टी से थे जो कांग्रेस का ही एक घटक दल था भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जो मुख्य मंत्री बने उसमें 1980 में जगन्नाथ मिश्र, 1983 में चन्द्रशेखर सिंह, 1985 में बींदेश्वरी दुबे,और 1988 में भागवत झा आजाद, 1989 में कुछ समय के लिए सत्येन्द्र नारायण सिन्हा,बाद में पुन: जगन्नाथ मिश्र बने लेकिन 10 मार्च 1990 में लालू यादव जगन्नाथ मिश्र को चुनाव में हराकर आरजेडी से मुख्य मंत्री बने वे 1990 से 1997 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे। बाद में उन्हें 2004 से 2009 तक केंद्र की यूपीए सरकार में रेल मन्त्री का कार्यभार सौंपा गया। जबकि वे 15वीं लोक सभा में सारण (बिहार) से सांसद थे उन्हें बिहार के बहुचर्चित चारा घोटाला मामले में रांची स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अदालत ने पांच साल कारावास की सजा सुनाई थी। इस सजा के लिए उन्हें बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारागार रांची में रखा गया था।केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रखा जबकि उन पर कथित चारा घोटाले में भ्रष्टाचार का गम्भीर आरोप सिद्ध हो चुका था। 3 अक्टूबर 2013 को न्यायालय ने उन्हें पाँच साल की कैद और पच्चीस लाख रुपये के जुर्माने की सजा दी।दो महीने तक जेल में रहने के बाद 13 दिसम्बर को लालू प्रसाद को सुप्रीम कोर्ट से बेल मिली लालू यादव

या उनका परिवार ही बिहार में लम्बे समय तक मुख्य मंत्री के रूप में टिके थे अब उनके पुत्र तेजस्वी यादव सीधे महा गठबंधन से बिहार के मुख्य मंत्री के रूप अपना नाम घोषित करा लिए लेकिन उनकी योग्यता पर सवाल उठाना जायज है क्योंकि बिहार में गृह सचिव,आईएएस, आई पी एस जो आई ए एस अधिकारी होता है वो नहीं चाहेगा कि 9 वीं पास तेजस्वी यादव को अंदर काम करें और फिर कम पढ़े लिखे लोग उनके आस पास होंगे जो किसी माफियाओ से मिले होंगे। लालू शायद बिहार के सबसे करिश्माई नेता हैं; और 1990 के दशक के मध्य में अपनी सत्ता के चरम पर, वे अजेय लग रहे थे। लेकिन सत्ता के मद में चूर कई राजनीतिक दिग्गजों की तरह, उन्होंने अपनी भूख और अहंकार को खुद पर हावी होने दिया। वे जादुई वादे लेकर आए और तबाही मचा दी। लेकिन 2005 में खेल पलटा और नीतीश कुमार मुख्य मंत्री बने जो जेडीयू के पार्टी से थे जो समता पार्टी जो जेडीयू बनी जो एनडीए का एक घटक था और बीजेपी उसके साथ थी और बड़े और छोटे दल के रूप में उभरा यानी अब बीजेपी बिहार में अपनी जनाधार बनाई और उप मुख्य मंत्री के तौर पर स्व सुशील मोदी उप मुख्य मंत्री बने । जब जीत नीतीश कुमार के हाथ लगी, तो नीतीश को बस लालू की बनाई हुई चीज़, पिछड़ों, दलितों और मुसलमानों का अजेय गणित, छीनना था। आज नीतीश जिस वोट को अपना मानते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा—जनता दल (यूनाइटेड) का वोट, जिसमें से भाजपा का सवर्ण वोट दिया गया है—वही जनता दल (यूनाइटेड) का वोट लालू ने सबसे पहले हासिल किया था। नीतीश ने बिहार में विकास के काम पर फोकस किया और फिर चोरी, डकैती, अपहरण,लूट पाट गन्दे फिल्मों का पोस्टर और खुलेआम फिल्मों में गन्दी फ़िल्में खुलेआम नौजवानों ने देखी है और इसी क्रम में एलीफिस्टन सिनेमा में छापा पड़ा और बन्द हो गई लेकिन अन्य हौलो में ब्लू फ़िल्म । नीतीश ने लालू के सशक्तिकरण के बीज में छिपे विरोधाभासों को छुआ, लोकलुभावनवाद का गला घोंटा और शासन के गुणसूत्र को गति दी। जहाँ लालू मंच से सिर्फ़ दिखावा करने में ही खुश थे, वहीं नीतीश ने खुद को उस काम में झोंक दिया जो हाथ में था। 2005 से 2013 के बीच बिहार के उच्च वार्षिक विकास दर के आँकड़ों से बेहतर इसका कोई उदाहरण नहीं है। नीतीश ने बिहार में लंबे समय से लंबित सुधार लाए। बहुत लंबे समय से, बिहार एक राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत रूपक बना हुआ है, एक नाले के गर्त में डूबा बिहार- नक्शे से गायब, पूरी तरह से खोया हुआ। इसकी कड़वाहट महसूस करने के लिए आपको बिहारी होना होगा—एक ऐसी पहचान जो उपहास का रूपक है। 2005 में शुरू हुए नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री के रूप में पहले कार्यकाल के मध्य में, यह धीरे-धीरे बदलने लगा। एक रिपोर्ट में नीतीश के कुशल नेतृत्व की सराहना की। शीर्षक में कहा गया था: बिहारी ज्ञानोदय: भारत का सबसे कुख्यात राज्य अपनी प्रतिष्ठा पर खरा उतरने में विफल हो रहा है। इससे फिशलॉक के तीन दशक पहले दिए गए, हालांकि बहुत ही उपयुक्त, कठोर फैसले जैसे शराब बंदी महिलाओ को शिक्षा देना प्रशासन को अपराध से निपटने हेतु कड़ा निर्णय से बिहार में भय का माहौल ख़त्म होने लगा और अपराध कम हुआ और चोरी डकैती ख़त्म हुआ रोड और पुलों का बड़े पैमाने पर निर्माण हुआ शिक्षा में चोरी ख़त्म हुई और सेसन में चल रहे देरी को पटरी पर लाया गया इसलिए नीतीश कुमार उसके बाद हर बार विजयी हुए लेकिन 2025 के बिहार के चुनाव में उन्होंने कमाल किया और एनडीए की सरकार बनी और नवम्बर 25 में नीतीश कुमार पुन: मुख्यमंत्री बने लेकिन कुछ ही महीने बाद सत्ता से बाहर का रास्ता देखने को मिला और राज्यसभा का सांसद हुए लेकिन राजयसभा के सांसद होने के बाद भी कोई मंत्री पद नहीं मिला लेकिन हाल ही के बांकीपुर में विधान सभा के उपचुनाव में बीजेपी के गढ़ माने जानेवाली सीट को प्रशांत किशोर जीत दर्ज कि कहीं ना कहीं ऐ मैसेज मिला की बिहार की जनता को वर्तमान मुख्यमंत्री श्री सम्राट चोधरी पसन्द नहीं है ऐ तो सिर्फ झांकी है बाकि खेल बाद में होगा बिहार की जनता सजग है और अभी भी बीजेपी को चाहिए बिहार में नई सरकार में मुख्यमंत्री के चेहरा पर पुन: विचार करें यदि बिहार में लम्बे समय तक टिकना हो तो नहीं आगे आने वाले चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है.क्योंकि जनता नहीं चाहती की जिस सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है उस पर जन सुराज पार्टी के नेता श्री प्रशांत किशोर ने कई आरोप लगाए है इसलिए बदलाव की आवश्यकता है।

# उत्तर प्रदेश 2027 चुनाव: भाजपा का डेमेज कंट्रोल का प्रयास

**अशोक भाटिया**

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में साल 2024 का लोकसभा चुनाव एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हो चुका है, जिसने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अजेय मानी जाने वाली छवि को गहरा धक्का पहुँचाया। दिल्ली की सत्ता पर लगातार तीसरी बार काबिज होने के बावजूद, देश के सबसे बड़े और राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में पार्टी की सीटों का आंकड़ा लगभग आधा रह जाना एक ऐसी चेतावनी थी, जिसे नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित हो सकता था। इस चुनावी झटके ने जहाँ एक ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को नई ऊर्जा दी, वहीं दूसरी ओर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन और अपनी रणनीतियों को नए सिरे से परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया। अब जबकि राज्य साल 2027 के विधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है, भाजपा का पूरा ध्यान केवल सत्ता बचाने पर नहीं, बल्कि अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने और मिशन हैट्रिक को सफल बनाने के लिए एक व्यापक, आक्रामक और बहुआयामी डैमेज कंट्रोल (क्षति नियंत्रण) अभियान पर केंद्रित हो चुका है। यह संपादकीय विश्लेषण इसी बात की पड़ताल करता है कि कैसे भाजपा अपनी पिछली गलतियों से सीखकर 2027 के महासंग्राम के लिए एक अभेद्य चक्रव्यूह रचने का प्रयास कर रही है।यदि 2027 में लखनऊ की गद्दी पर दोबारा भगवा ध्वज लहराना है, तो संगठन की बुनियादी कमियों को दूर करना और सामाजिक व सांगठनिक समीकरणों को नए सिरे से साधना पहली और अनिवार्य शर्त बन चुकी है।

सांगठनिक कसावट के साथ-साथ भाजपा का यह डैमेज कंट्रोल केवल पार्टी कैडर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सहयोगियों और प्रमुख चेहरों को जोड़े रखने के लिए एक आक्रामक राजनीतिक घेराबंदी में बदल चुका है। इसी कड़ी में हाल ही में दो बेहद महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम सामने आए हैं, जो भाजपा की इस गंभीर रणनीति को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। पहला घटनाक्रम रायबरेली सदर से भाजपा विधायक अदिति सिंह का है।

पिछले कुछ समय से राजनीतिक गलियारों में अदिति सिंह की कांग्रेस में संभावित वापसी को लेकर तरह-तरह की अटकलें और कयास लगाए जा रही थे। इन अटकलों को पूरी तरह खारिज करते हुए और विपक्ष के मनोबल को तोड़ने के लिए अदिति सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक उच्च स्तरीय मुलाकात की। इस बैठक ने न केवल सभी अफवाहों पर पूरी तरह विराम लगा दिया, बल्कि यह भी साफ कर दिया कि रायबरेली जैसे गांधी परिवार के पारंपरिक गढ़ में भाजपा अपने किले को अभेद्य रखने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

इसी रणनीति का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा अपने नाराज सहयोगियों को संभालना है, जिसमें भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही अपनी उपेक्षा और अति-पिछड़ों के आरक्षण के मुद्दे को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर कर रहे निषाद पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को मनाने के लिए भाजपा के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े खुद उनके आवास पर पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मैराथन बैठक का मुख्य उद्देश्य सहयोगी दलों के भीतर पनप रहे असंतोष को समय रहते दबाना और 2027 से पहले एनडीए के कुनबे को पूरी तरह एकजुट रखना है। भाजपा भली-भांति जानती है कि उत्तर प्रदेश जैसी जटिल राजनीतिक पिच पर अनुप्रिया पटेल की अपना दल (एस), ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा और संजय निषाद की निषाद पार्टी जैसे छोटे दल अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विनोद तावड़े का खुद चलकर संजय निषाद के घर जाना यह दिखाता है कि भाजपा अब किसी भी बड़े या छोटे सहयोगी को खोने का जोखिम नहीं उठा सकती और वह गठबंधन के भीतर सत्ता और सम्मान का नया संतुलन बनाने के लिए तैयार है।

इसके अतिरिक्त, युवाओं और रोजगार के मुद्दे पर विपक्ष के आक्रामक हमलों को कुंद करने के लिए सरकार ने अपनी प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह से झोंक दिया है। पिछले कुछ समय में हुए पेपर लीक मामलों ने सरकार की साख पर जो बट्टा लगाया था, उसे धोने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं और पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षाओं के आयोजन पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटने के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सरकार युवाओं के भविष्य के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। इसके समानांतर, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और राज्य में आ रहे भारी-भरकम औद्योगिक निवेश के जरिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावों को सोशल मीडिया और जमीनी अभियानों के माध्यम से जनता के बीच ले जाया जा रहा है। विपक्ष द्वारा महंगाई और बेरोजगारी पर बनाए जा रहे माहौल का मुकाबला करने के लिए भाजपा अपनी डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों—जैसे एक्सप्रेसवे का जाल, हवाई अड्डों का विकास और बेहतर कानून-व्यवस्था—को मुख्य ढाल बना रही है। एक और महत्वपूर्ण मोर्चा जिस पर भाजपा बहुत बारीकी से काम कर रही है, वह है टिकट वितरण और एंटी-इन्कंबेंसी का प्रबंधन। पार्टी के आंतरिक सूत्रों और स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र का गहन और बहुस्तरीय जमीनी सर्वे कराया जा रहा है। इस सर्वे में न केवल विधायकों की लोकप्रियता और उनके कामकाज का आकलन किया जा रहा है, बल्कि जनता के बीच उनकी छवि और कार्यकर्ताओं के साथ उनके व्यवहार को भी मापा जा रहा है। इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि सत्ता विरोधी लहर को काटने और जनता के गुस्से को शांत करने के लिए भाजपा 2027 के चुनावों में 30 से 40 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काट सकती है या उनके क्षेत्र बदल सकती है।

# हरीश रावत के स्वागत में उमड़ पडे उत्तराखंड के कांग्रेसी!

**डॉ. श्रीगोपाल नारसन**

लंबी बीमारी से उभरने के बाद पुन: सक्रिय राजनीति में लौटे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने रामपुर तिराहा पहुंचकर उत्तराखंड के शहीदों को नमन किया।उन्होंने शहीद स्मारक पर झाड़ू भी लगाई और कहा कि वे भाजपा सरकार में पीड़ित व शोषित जनता को न्याय दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष करेंगे।रामपुर तिराहे पर हरीश रावत के पहुंचने पर न सिर्फ उत्तर प्रदेश के लोगो ने बल्कि उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।करीब ढाई सौ गाड़ियों के काफिले में लगातार हरीश रावत के समर्थन में कार्यकर्ता नारे लगाते रहे।हरीश रावत का यह काफिला रामपुर तिराहे से नारसन बॉर्डर पहुंचा जहां घण्टो तक कार्यकर्ता उनकी जय जय कार करते रहे।हरीश रावत ने नारसन में कहा कि उत्तराखंड की जनता भाजपा के उत्पीड़न से तंग आ चुकी हैं।लोग परिवर्तन चाहते है।अगली सरकार निश्चित रूप से कांग्रेस की बनेगी।उन्होंने महंगाई, भ्रष्टाचार, जन उत्पीड़न को भाजपा की होने वाली विदाई का कारण बताया।उनके काफिले में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, पूर्व मंत्री मंत्रीप्रसाद नैथानी, विधायक अनुपमा रावत,पूर्व लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत,प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता श्रीगोपाल नारसन,कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सीपी सिंह,विधायक फुरकान अहमद, विधायक ममता राकेश,किसान कांग्रेस अध्यक्ष सेठपाल परमार,किसान कांग्रेस रुड़की अध्यक्ष श्रवण गोस्वामी, विकास त्यागी,सुधीर शांडिल्य आदि सैकड़ो वरिष्ठ नेताओं ने हरीश रावत के प्रति विश्वास जताया।

गुड़ मंडी मंगलौर पर कांग्रेस नेता आदित्य राणा

के नेतृत्व में कांग्रेसियो ने ट्रैक्टरों, कारो व अन्य वाहनों से पहुंचकर हरीश रावत का जोरदार स्वागत किया।हरीश रावत ने मंडी परिसर के शिवालय में पूजा की और भगवान शिव का आशीर्वाद लिया,इसके बाद हरीश रावत का मंगलौर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर व रुड़की में वाल्मीकि चौक पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।हरीश रावत ने भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।बाद में हरीश रावत ने हरिद्वार पहुंचकर मां गंगा में दूध प्रवाहित कर मां गंगा की पूजा अर्चना की व मां गंगा का आशीर्वाद लिया।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस दौरान कहा कि भाजपा सरकार बदले की भावना से कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि वे अपनी सरकार के समय की हर जांच कराने के लिए तैयार है।उन्होंने साफ कहा कि आने वाला समय कांग्रेस का है,सन 2027 के चुनाव में उत्तराखंड की जनता कांग्रेस की सरकार बनाएगी।हरीश रावत का स्वागत करने वालो में विधायक आदेश चौहान, विधायक हरीश धामी,कांग्रेस नेता सचिन गुप्ता, राव आफाक अली आदि शामिल रहे।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

# श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

### अलग-अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

## भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मांगलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

# कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातःकाल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

### व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है।

इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

# जानिए क्या है गणेश पुराण में

**गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में.....**

### पहला खंड-आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

### दूसरा खंड- परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग-अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

### तीसरा खंड- माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

### चौथा खंड- युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्त्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

### पांचवां खंड- महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

# अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आवहन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप-दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुर्मूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्ण्यहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात्।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूर्ति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा-अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। हृदय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम् ।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्ययः पिता ॥
यतः सर्वाणि भुतानि भवन्त्यादियुगागमे ।
यस्मिश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते ।
विष्णोर्नामसहस्त्रं मे श्रृणु पापभयापहम् ॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मनः ।
ऋषिभिः परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये ॥
विश्वं विष्णुर्वषट?कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः ।
अव्ययः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन-धान्य, यश-वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## डूसू चुनाव में पैसे के दम पर हुई एबीवीपी की जीत : दिपके

**नईदिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कन्वीनर अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि चुनाव पैसे के दम पर लड़े जाते हैं। उन्होंने हाल ही में हुए दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन (DUSU) चुनावों का हवाला देते हुए कहा कि प्रचार करने वाले लोग लग्ज़री कारों में आते हैं। हाल ही में सीजेपी के नेतृत्व में हुए जेन ज़ेड विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए डूसू चुनावों में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सेंट्रल पैनल के चार में से तीन पदों पर जीत हासिल की। कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई चारों में से कोई भी पद नहीं जीत पाई। दिपके ने पत्रकारों से कहा कि चुनावों में सिर्फ़ पैसा ही काम आता है और कुछ नहीं। डीयू में प्रचार करने वाले लोग रॉल्स रॉयस में आते हैं, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये होती है। वे ऑडी और बीएमडब्ल्यू में आते हैं। तो वहाँ पैसा ही काम करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्तियों और कामकाज पर विचारधारा का असर पड़ रहा है।

## निष्पक्ष चुनाव होने पर यूपी में 50 सीटें भी नहीं जीत पाएगी भाजपा

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव ने सोमवार को कहा कि अगर 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 50 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव निष्पक्ष होते हैं, तो भाजपा को 2027 में 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। यादव ने ज़ोर देकर कहा कि मतदाताओं ने राज्य में समाजवादी पार्टी को सत्ता में लाने का फ़ैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने आने वाले चुनाव की कमान खुद अपने हाथों में ले ली है और समाजवादी पार्टी को सत्ता में लाने का मन बना लिया है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि पहले हुए चुनावों में साफ़ तौर पर धांधली हुई थी, इसीलिए लोग सवाल उठा रहे हैं। हमें शक है कि क्या चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने की हिम्मत दिखा पाएगा। अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष हो, तो निष्पक्ष चुनाव हो सकते हैं।

## अखिलेश को निशाना बनाने वाला पोस्टर सामने आया

**लखनऊ।** 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं। ऐसे में सोमवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के पूर्व नेताओं अतीक अहमद, आज़म खान और मुख्तार अंसारी की तस्वीर वाला एक पोस्टर सामने आया, जिसमें पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा गया। पोस्टर पर लिखा था, आज़म, अतीक और मुख्तार, यही चलाते थे सरकार। अखिलेश के माफिया, माफिया के अखिलेश। यह घटना 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले हुई है। इस दौरान राजनीतिक पार्टियां राज्य में कानून-व्यवस्था, कथित अपराधी-राजनेता गठजोड़ और कामकाज के तरीकों को लेकर अपने विरोधियों पर हमले तेज़ कर रही हैं। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की अप्रैल 2023 में प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय उन्हें मेडिकल जांच के लिए ले जाया जा रहा था।

## दिशा सालियन मामले में संजय राउत पर भाजपा का पलटवार

**मुंबई।** भाजपा नेता राम कदम ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की आलोचना की है। राउत ने दिशा सालियन के पिता सतीश सालियन की आदित्य ठाकरे के घर हालिया मुलाक़ात को सिर्फ़ ड्रामा बताया था, जिसे कदम ने शोक में डूबे माता-पिता के प्रति बेहद असंवेदनशील टिप्पणी कहा। मीडिया से बात करते हुए कदम ने कहा कि दिशा सालियन के पिता ने अपनी बेटी को खो दिया है। उनके कामों को ड्रामा बताना बेहद असंवेदनशील है। उन्होंने आगे सवाल किया कि सालियन की मौत की जांच पहले ही सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन को क्यों नहीं सौंपी गई। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को अपना काम पूरा करने देना चाहिए और आखिरकार न्यायपालिका ही इस मामले पर फ़ैसला करेगी। कदम ने सालियन के परिवार की बार-बार हो रही सार्वजनिक जांच-पड़ताल की आलोचना की और कहा कि जब आपकी अपनी सरकार और पुलिस सिस्टम सत्ता में थे, तब कोई संतोषजनक जांच नहीं की गई। ज़ाहिर है, लोग इन घटनाओं को आपस में जोड़कर देखने लगते हैं और सवाल पूछते हैं।

## उत्तरप्रदेश का 4 राज्यों में बंटवारा तय : ओम प्रकाश राजभर

**लखनऊ।** सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश को चार छोटे राज्यों में बांटना तय है। अंबेडकर नगर में बोलते हुए राजभर ने कहा कि भविष्य में किसी भी चुनावी गठबंधन के लिए यह ज़रूरी होगा कि प्रस्तावित पूर्वांचल राज्य का मुख्यमंत्री राजभर समुदाय से ही हो। राजभर ने इस दावे के आधार के तौर पर पूर्वी इलाके में राजभर समुदाय की आबादी और उनके वोटों की बड़ी हिस्सेदारी का ज़िक्र किया। राजभर ने कहा कि राज्य का बंटवारा तय है। जब राज्य का बंटवारा होगा—जिसमें पूर्वांचल, मध्यांचल, बुंदेलखंड और हरित प्रदेश जैसे इलाके शामिल होंगे—तो अगर आप उस इलाके को देखें जहां हम अभी बैठे हैं, यानी अंबेडकर नगर से शुरू करते हुए, तो पूरे पूर्वांचल इलाके में राजभर समुदाय के वोटों की हिस्सेदारी सबसे ज़्यादा है। इसलिए, गठबंधन करने वाली किसी भी पार्टी के लिए यह पहले से तय शर्त होगी कि भविष्य के पूर्वांचल राज्य का मुख्यमंत्री राजभर समुदाय से ही होगा।

### भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी का राहुल गांधी पर वार

# कांग्रेस अब बनी 'मुस्लिम लीग माओवादी' पार्टी

**नईदिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की हालिया टिप्पणियों ने पार्टी के वैचारिक रुख को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, त्रिवेदी ने अंसारी द्वारा 2019 की एक किताब का ज़िक्र किया, जिसमें भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के हवाले से कहा गया था कि कम्युनिज्म उतना बड़ा खतरा नहीं था जितना कि हिंदू राष्ट्रवाद।

त्रिवेदी ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने 2019 में लिखी गई एक किताब का ज़िक्र किया। किताब के अनुसार, नेहरू जी कह रहे हैं कि उनके लिए कम्युनिज़्म, हिंदू राष्ट्रवाद जितना बड़ा ख़तरा नहीं है। इसके लिए मैं हामिद अंसारी को बधाई देना चाहता हूँ। उन्होंने तीन बहुत महत्वपूर्ण काम किए हैं। उन्होंने दावा किया कि इस खुलासे से आज की कांग्रेस की विचारधारा और राजनीतिक रूप से हाशिए पर मौजूद समूहों के साथ उसके जुड़ाव का पता चलता है।

त्रिवेदी ने तर्क दिया कि पहला, उन्होंने पूरी तरह से उजागर कर दिया है कि कांग्रेस अब पूरी तरह से 'मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस' बन गई है। दूसरा, उन्होंने बताया कि नेहरू जी के अनुसार कम्युनिज़्म वाकई एक ख़तरा था। जबकि आज कांग्रेस अति-वामपंथ की ओर बढ़ गई है। त्रिवेदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की और कहा कि पार्टी की मौजूदा राजनीतिक सोच नेहरूवादी विचारधारा पर आधारित है। उन्होंने कहा कि तीसरी बात, उन्होंने नेहरू का ज़िक्र किया है। इससे साफ़ होता है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बातों में जो चीज़ें झलकती हैं, उनकी कहानी उनके परिवार से जुड़ी है।

ये टिप्पणियां पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के उस बयान के बाद आईं, जिसमें उन्होंने संविधान विशेषज्ञ और लेखक अब्दुल ग़फ़ूर नूरानी के जीवन और काम पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सांप्रदायिकता और चरमपंथ पर बात की थी। अंसारी ने भारत के लिए ख़तरे के बारे में नेहरू की चेतावनी का ज़िक्र किया और नूरानी की 2019 की किताब द आरएसएस: ए मेनेस टू इंडिया (The RSS: A Menace to India) की बातों का हवाला दिया। उन्होंने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की एक बैठक के दौरान पूर्व विदेश सचिव जगत सिंह गुंडेविया द्वारा दर्ज नेहरू की टिप्पणियों को भी उद्धृत किया। नेहरू ने चेतावनी दी थी कि भारत के लिए असली ख़तरा कम्युनिज़्म नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता थी।

# यूपी में राहुल गांधी के बिना भाजपा से लड़ाई नामुमकिन: इमरान मसूद

### अखिलेश यादव फाइनल करें गठबंधन

**नईदिल्ली।** कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन पर जल्द फ़ैसला लेने की पुरज़ोर अपील की है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अगर गठबंधन करना है तो उसे फ़ाइनल किया जाए, वरना हम अपनी तैयारी शुरू कर देंगे। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि अगर गठबंधन करना है तो उसे फ़ाइनल किया जाए, वरना हमें अपनी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। न सिर्फ़ यहाँ, बल्कि पूरे देश में राजनीतिक माहौल ऐसा है कि कांग्रेस के बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता; कांग्रेस ज़रूरी है। भाजपा के खिलाफ़ लड़ाई सिर्फ़ कांग्रेस के साथ ही लड़ी जा सकती है; सिर्फ़ कांग्रेस ही उनका मुक़ाबला कर सकती है।

इमरान मसूद ने आगे कहा कि राहुल गांधी का नेतृत्व इन चुनौतियों से पार पाने में सक्षम है। गठबंधन को तुरंत अंतिम रूप दें। मुझे नहीं पता कि कौन संपर्क में है; मुझे अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। अगर इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया, तो जमीनी स्तर पर नुकसान होगा। रविवार को समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्य कार्यकारिणी की बैठक में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला और आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए। यादव ने अपनी पार्टी की रणनीति का ब्यौरा दिया, राज्य में कानून-व्यवस्था के प्रबंधन की आलोचना की और भाजपा तथा गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं पर राजनीतिक कटाक्ष करते हुए

मुस्लिम समुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया।

यादव ने घोषणा की कि आज हमारी राज्य कार्यकारिणी की बैठक थी। इसमें हमने तय किया है कि 2027 के विधानसभा चुनावों में हम हर विधानसभा सीट पर 27,000 वोट बढ़ाने के लिए काम करेंगे। इसका मतलब है कि हम बीजेपी के 27,000 वोट कम करेंगे। इसके अलावा, मसूद ने मतदाताओं को उत्तर प्रदेश में भाजपा विरोधी गठबंधन बनाने के एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी के प्रस्ताव के झांसे में न आने की चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि ओवैसी भले ही कुछ सीटें जीत जाएं, लेकिन उनका राजनीतिक प्रभाव अंततः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में आने में मदद करता है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा को कोई एक पार्टी अकेले नहीं हरा सकती, इस ओवैसी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा को हराना ही प्राथमिक लक्ष्य है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि इसे हासिल करने के लिए रणनीतिक मतदान बेहद जरूरी है।

# बंगाल उपचुनाव: हाईकोर्ट पहुंचे नंदीग्राम के कांग्रेस प्रत्याशी

### पुलिस हिरासत को दी चुनौती, आज होगी सुनवाई?

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने गिरफ्तारी के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने पुलिस हिरासत के खिलाफ तत्काल सुनवाई की मांग की है। मामले की सुनवाई 22 सितंबर को होगी। मिलन प्रधान को 2007 में दर्ज मामलों से जुड़े चार लंबित गैर-जमानती वारंट के आधार पर कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

पुलिस के मुताबिक, पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम थाना क्षेत्र के गंगरा गांव निवासी मिलन प्रधान को 18 सितंबर को चंडीपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने कहा था कि यह गिरफ्तारी चुनाव और उपचुनाव के दौरान लंबे समय से लंबित गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, यह अभियान चुनाव आयोग के स्थायी निर्देशों के तहत चलाया जा रहा है।

कोलकाता पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था, गिरफ्तार व्यक्ति के खिलाफ लंबित मामलों में हत्या, हत्या के प्रयास, हत्या के इरादे से अपहरण, साक्ष्य गायब करना, घर में घुसना, हथियारों और घातक हथियारों के साथ दंगा

जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, प्रधान के खिलाफ लंबित मामलों में 30 अप्रैल 2007 का नंदीग्राम थाना मामला शामिल है। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 448, 302 और 506 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

इसके अलावा 15 नवंबर 2007 को दर्ज नंदीग्राम थाना मामले में आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 326, 364, 302 और 201 लगाई गई थीं। पुलिस ने 8 नवंबर 2007 के नंदीग्राम थाना मामले का भी उल्लेख किया, जिसमें आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 324, 307 और 302 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज था।

इसके अलावा 30 जुलाई 2007 के खेजुरी थाना केस नंबर 44/07 में आईपीसी की धारा 148 और 149 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 35 के तहत मामला दर्ज किया गया था। कोलकाता पुलिस ने कहा, गिरफ्तार व्यक्ति 2007 से 19 वर्षों तक फरार रहा और कानून की प्रक्रिया से बचता रहा। संबंधित मामलों में उसे फरार आरोपी के रूप में चार्जशीट किया गया है।

पुलिस के अनुसार, इससे पहले भी वारंट तामील कराने की कई कोशिशें की गई थीं, लेकिन वे सफल नहीं हुईं। इसके बाद संबंधित अदालतों के समक्ष समय-समय पर नॉन-एग्जीक्यूशन रिपोर्ट दाखिल की गईं। पुलिस ने कहा, लंबे समय से लंबित गैर-जमानती वारंटों को तामील कराना सभी चुनाव और उपचुनावों के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग का स्थायी निर्देश है। चल रहे विशेष अभियान के दौरान प्रधान की गिरफ्तारी इसका पालन करने की दिशा में कानूनी कदम है।

मिलन प्रधान की गिरफ्तारी नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव से पहले हुई है। वह इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार हैं। नंदीग्राम में उपचुनाव 6 अक्टूबर को होना है और मतगणना 9 अक्टूबर को होगी। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि 2007 के मामलों में इतने वर्षों बाद इस समय कार्रवाई क्यों की गई।

## खेल
प्रमुख समाचार

### भारत और श्रीलंका के बीच महिला क्रिकेट का फाइनल आज

**निशिन (जापान)।** एशियाई खेल 2026 में महिला क्रिकेट के फाइनल में भारत और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने होंगी। मंगलवार 22 सितंबर को होने वाले खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम की नजर स्वर्ण पदक पर होगी। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे शुरू होगा। भारत ने जापान और बांग्लादेश के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई है, जबकि श्रीलंका भी पाकिस्तान को हराकर खिताबी मुकाबले तक पहुंचा है।

भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में अपने दबदबे को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। भारत के महिला और पुरुष दोनों टीमों के पोडियम के शीर्ष पर पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय टीम को स्वर्ण पदक से रोकने के लिए बेहद खराब प्रदर्शन करना होगा। मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ जीत भारत को एशियाई क्रिकेट में अपनी मजबूत स्थिति और बेहतर करने का मौका देगी।

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया। कप्तान चामरी अटापट्टू ने इस मुकाबले में 50 गेंदों पर 82 रन की शानदार पारी खेली। भारत जैसी मजबूत टीम को हराने के लिए श्रीलंका को अटापट्टू और अपने अन्य खिलाड़ियों से इसी तरह के बेहतरीन प्रदर्शन की जरूरत होगी।

भारत की टीम टूर्नामेंट में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में अच्छी फॉर्म में नजर आई है। सलामी बल्लेबाजों ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई है और खासकर शेफाली वर्मा शानदार लय में हैं। भारतीय टीम प्रबंधन तीसरे नंबर के बल्लेबाजी क्रम को लेकर लगातार प्रयोग कर रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में जी कमालिनी को इस स्थान पर उतारा गया था, जबकि जापान के खिलाफ भारती फुलमाली को तीसरे नंबर पर आजमाया गया था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## हफ्ते की धमाकेदार शुरुआत सेंसेक्स 564 अंक चढ़कर बंद

**नईदिल्ली।** शेयर बाजार में आज (21 सितंबर) मजबूत खरीदारी दर्ज की गई। बेंचमार्क इंडेक्स लगातार तीसरे दिन तेजी दर्ज की गई। घरेलू बाजारों में जोश भरने का काम कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है, जो 101 डॉलर पर आ गया है। बाजार में रियल्टी, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टर में जमकर खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स में अल्ट्राटेक सीमेंट 4 फीसदी की तेजी के साथ टॉप गेनर रहा। सेंसेक्स 564 अंक उछलकर 74858 पर बंद हुआ, जो कारोबारी सेशन के दौरान 74987 पर पहुंचा था। निफ्टी भी 67 अंकों की तेजी के साथ 23414 पर बंद हुआ। इंडेक्स में शामिल 30 शेयर चढ़कर बंद हुए। जबकि 20 शेयर गिरकर बंद हुए। निफ्टी में एटरनल का शेयर 2.77 फीसदी की बढ़त के साथ टॉप गेनर रहा। एचसीएल टेक, आईटीसी और सन फार्मा के शेयर भी 1-2 फीसदी तक उछले।

## कच्चे तेल में गिरावट ब्रेंट 102 डॉलर के करीब

**नईदिल्ली।** कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार, 21 सितंबर को तेज गिरावट देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा करीब 2 फीसदी गिरकर 102 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड में भी 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट है और इसका भाव 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। ब्रेंट क्रूड 2.14 डॉलर यानी करीब 2.06 फीसदी गिरकर 101.73 डॉलर पर है। कारोबार के दौरान यह 101.22 डॉलर तक नीचे गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.15 डॉलर यानी करीब 2.24 फीसदी गिरकर 93.93 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। तेल की कीमतों में यह गिरावट ऐसे समय आई है, जब पश्चिम एशिया में तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इसके बावजूद बाजार में तेल की सप्लाई को लेकर पहले जैसा डर कम होता दिख रहा है।

## चीन को भारत का निर्यात 40 प्रतिशत बढ़ा

**नईदिल्ली।** भारत से चीन को भेजे जाने वाले सामान में तेजी आई है। खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान का निर्यात बढ़ा है। अगस्त तक के पांच महीनों में चीन को भारत का निर्यात करीब 40 फीसदी बढ़ा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान इस बढ़ोतरी के बड़े कारण रहे हैं। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा सेंटर का दायरा बढ़ने से हाई-एंड उपकरणों की मांग बढ़ रही है। इसका फायदा भारत से चीन को होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को भी मिल रहा है। मार्च में खत्म हुए वित्त वर्ष में भारत से चीन को इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात तीन गुना बढ़कर 3.18 अरब डॉलर हो गया है। इसमें प्रिंटेड सर्किट बोर्ड असेंबली, स्मार्टफोन, डिस्प्ले मॉड्यूल और टेलीकॉम उपकरण जैसे उत्पाद शामिल रहे।

## टैरिफ के बावजूद रूस से तेल आयात घटाना मुश्किल

**नईदिल्ली।** रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों से आयातित सामान पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाने की अमेरिका की धमकी के बावजूद भारत के लिए अपने सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता रूस से कच्चे तेल का आयात तत्काल कम करने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 18 सितंबर को एक कानून पर दस्तखत किए जिसके तहत रूस से ईंधन खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रावधान है। इससे भारत और चीन जैसे प्रमुख खरीदारों पर दबाव बढ़ गया है। ऊर्जा आयात पर भारत की भारी निर्भरता और वैकल्पिक आपूर्ति में आ रही बाधाओं के कारण रूसी कच्चे तेल से तत्काल दूरी बनाना मुश्किल हो सकता है।

# फ्लेक्सी लोन पर पूरी पाबंदी से पहले जोखिम को समझे आरबीआई

**तमाल बंद्योपाध्याय**

भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा दी जाने वाली 'रिवॉल्विंग क्रेडिट' सुविधा पर पाबंदी लगाने के दिशानिर्देशों का मसौदा 6 अगस्त को जारी किया। 'रिवॉल्विंग क्रेडिट' में ग्राहक को एक निश्चित रकम बतौर कर्ज दी जाती है। कर्ज में से जितनी रकम ग्राहक चुका देता है उतनी ही रकम वह दोबारा उधार ले सकता है और उसे नया कर्ज नहीं माना जाता। किंतु एनबीएफसी द्वारा जारी क्रेडिट कार्ड को इन पाबंदियों से बाहर रखा गया।

इस संशोधन के मसौदे पर 28 अगस्त तक सुझाव एवं प्रतिक्रिया दिए जा सकते थे। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पिछले हफ्ते सीएनबीसी टीवी18 पर साक्षात्कार में कहा, 'नियामक कभी नहीं चाहता था कि एनबीएफसी को रिवॉल्विंग लाइन क्रेडिट की इजाजत दी जाए। हम विभिन्न सुझावों पर विचार करेंगे, उन्हें तोलेंगे-मोलेंगे और उचित कदम उठाएंगे।' यह स्वागत योग्य कदम है क्योंकि नियामक चाहता है कि एवरग्रीनिंग के जरिये कर्ज हमेशा चलता नहीं रहे, कर्जदार के मुश्किल में होने की बात सही समय पर पता चल जाए और बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया जाए।

लेकिन सवाल यह है कि क्या सभी रिवॉल्विंग क्रेडिट सुविधाओं में एक जैसा जोखिम होता है? एनबीएफसी के पास कई तरह की ऋण योजनाएं होती हैं। किंतु इनमें कई योजनाएं मसौदा निर्देशों के तहत सावधि जमा यानी टर्म लोन के दायरे में नहीं आतीं। ये बैंकों द्वारा दी जाने वाली क्रेडिट कार्ड या ओवरड्राफ्ट जैसी रिवॉल्विंग क्रेडिट सुविधाओं से भी अलग होती हैं। जिन ऋण योजनाओं में ग्राहक कर्ज की कुछ रकम चुकाकर दोबारा उतनी ही रकम उधार ले सकते हैं, उन्हें 'फ्लेक्सी-लोन' कहा जाता है।

इनमें रिवॉल्विंग क्रेडिट जैसी खासियतें हो सकती हैं मगर ये सूक्ष्म, लघु, और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) तथा व्यक्तियों की वित्तीय जरूरतें पूरी करने के लिए दिए जाते हैं, जैसे आपूर्ति श्रृंखला के लिए कर्ज, पूंजी के लिए कर्ज, एमएसएमई को सुरक्षित तथा असुरक्षित ऋण, वाहन डीलर को कर्ज और पर्सनल लोन आदि। फ्लेक्सी लोन बुनियादी तौर पर रिवॉल्विंग क्रेडिट से अलग होता है। रिवॉल्विंग क्रेडिट में संस्था आपके लिए उधार की अधिकतम सीमा तय कर देती है। उस सीमा के भीतर पैसे आप उधार ले सकते हैं, चुका सकते हैं और दोबारा उधार ले सकते हैं। जैसे-जैसे बकाया रकम चुकती जाती है, कर्ज के लिए उपलब्ध शेष राशि भी बढ़ती जाती है। फ्लेक्सी-लोन पहले से मंजूर कर्ज या ओवरड्राफ्ट सुविधा है, जिसमें आप जरूरत पड़ने पर रकम निकाल सकते हैं।

इसमें जितनी रकम निकाली जाती है उतनी पर ही ब्याज देना होता है, पूरी मंजूर राशि पर नहीं। इसमें किस्तें भरना जरूरी होता है और चूकने पर कर्ज को गैर निष्पादित यानी फंसा हुआ करार दिया जाता है। इसमें किस्त चुकाने पर उधार के लिए उपलब्ध रकम बढ़ती नहीं है और तय समय पूरा होने पर सुविधा खत्म हो जाती है। फिर इसमें लचीलापन कहां है? असल में इसमें कर्ज की तय अवधि के भीतर समय से पहले कर्ज चुकाया (प्री-पेमेंट) चुकाया जा सकता है।

ऐसे में पूरी तरह रोक लगाने के उन लोगों के लिए खास तौर पर अनचाहे परिणाम हो सकते हैं, जिनकी आय घटती-बढ़ती रहती है, जैसे एमएसएमई, अपना काम करने वाले आदि। रोक लगाने से वे क्रेडिट कार्ड या साहूकारों जैसे अनौपचारिक ऋणदाताओं पर निर्भर हो सकते हैं। ऐसे ऋण नहीं होंगे तो ग्राहक अलग-अलग कई कर्ज लेने के लिए मजबूर हो सकते हैं, जिसके लिए बार-बार मंजूरी और कागजी कार्रवाई करनी पड़ सकती है और उधार लेने वाले को प्रोसेसिंग शुल्क, स्टांप शुल्क तथा प्री-पेमेंट चार्ज पर ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। मान लीजिए कर्ज लेने वाला कोई व्यक्ति 2 लाख रुपये का प्री-पेमेंट करना चाहता है। फ्लेक्सी लोन में वह प्री-पेमेंट शुल्क दिए बगैर ही यह रकम जमा करके बकाया रकम का बोझ कम कर सकता है। साथ ही उसे कुछ रकम निकालने की सुविधा भी मिल जाएगी। मगर सामान्य कर्ज होगा तो 4 प्रतिशत प्री-पेमेंट चार्ज की वजह से इसके लिए 8,000 रुपये और जीएसटी चुकाना होगा।

# आत्मविश्वास साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है खेल : साव

## विद्याभारती मध्यक्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज चांपा के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विद्याभारती मध्यक्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी खेलकूद प्रतियोगिता-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समापन कार्यक्रम में विजेता टीम को मोमेन्टो, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े भी समापन कार्यक्रम में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए खेलना बेहद जरूरी है, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। विद्यार्थियों और युवाओं को प्रतिदिन खेल के लिए समय देना चाहिए। मैदान में बहाया गया पसीना शरीर में ऊर्जा और जीवन में उत्साह बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती विद्यार्थियों और युवाओं के जीवन को अनुशासन तथा संस्कारों से जोड़ते हुए उन्हें अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल में कोई जीतता है तो कोई हारता है, लेकिन सीखते सभी हैं। खेल हमें अच्छा स्वास्थ्य, अनुशासन, आत्मविश्वास और ऊर्जा प्रदान करता है तथा लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एक अच्छा खिलाड़ी अनुशासित जीवन जीता है और ऊर्जा से भरपूर रहता है।

श्री साव ने कहा कि जब कोई बच्चा छोटा होता है और चलने का प्रयास करता है, तो वह कई बार गिरता है, लेकिन हर बार उठकर दोबारा चलने

का प्रयास करता है। अंतत: वही बच्चा चलना और दौड़ना सीख जाता है। इसी प्रकार जीवन में बार-बार असफलता मिलने पर निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर पुन: प्रयास करना चाहिए। मन, समर्पण और संकल्प के साथ किए गए प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरा व्यक्ति ही जीवन में आगे बढ़ता है। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सांसद कमलेश जांगड़े ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यालयों में विद्यार्थियों को अनुशासन और शिष्टाचार की शिक्षा दी जाती है, जो उनके जीवन में एक अच्छा इंसान बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े, पूर्व सांसद कमला देवी पाटले, जिला पंचायत की अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका चांपा के अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, नगर पालिका जांजगीर-नैला की अध्यक्ष रेखा देवा गढ़ेवाल, जिला पंचायत के सदस्य राजकुमार साहू, हनुमान प्रसाद, शान्ति कुमार सोनी, प्रशांत सिंह ठाकुर, रजनी सत्तु साहू, अमर सुल्तानिया, इंजी रवि पांडेय, कार्तिकेश्वर स्वर्णकार, सलीम मेमन, कमल देवांगन, जुड़ावन सिंह ठाकुर और सुधीर देव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

## निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री ने ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के प्रति जताई नाराजगी

# भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण में तेजी लाने उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री के कड़े निर्देश

**कवर्धा।** स्वदेश दर्शन योजना के तहत लगभग 146 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किए जा रहे भोरमदेव कॉरिडोर के सभी प्रोजेक्ट की प्रगति की आज उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रीराजेश अग्रवाल ने कबीरधाम के जिला पंचायत सभाकक्ष में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कई निर्माण कार्य अपेक्षा के अनुरूप गति से नहीं चलने पर दोनों मंत्रियों ने संबंधित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने हर 15 दिन के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में ठोस प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण कार्यों में अपेक्षित गति नहीं होने पर अब जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर 15 दिन में कार्य की प्रगति निर्माण स्थल पर दिखाई देनी चाहिए। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर जिम्मेदार ठेकेदारों को कार्य से पृथक करने के साथ अनुबंध की शर्तों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक परियोजना है। ठेकेदार एजेंसियों की लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होगी, वहां संबंधित ठेकेदार को कार्य से पृथक कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अनुबंध की शर्तों के तहत ब्लैक लिस्ट सहित अन्य कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी प्रोजेक्ट के लिए 15-15 दिन की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कार्ययोजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि निर्धारित अवधि के बाद निर्माण स्थल पर उसका परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। पर्याप्त मशीनरी, मानव संसाधन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भोरमदेव क्षेत्र का विकास आने वाले कई वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इसलिए प्रत्येक निर्माण कार्य मजबूत, टिकाऊ और निर्धारित गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

### भोरमदेव मार्ग और आसपास के क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव क्षेत्र में अतिक्रमण की स्थिति का चिन्हांकन कर सख्त कार्रवाई के साथ अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कवर्धा से भोरमदेव जाने वाले मुख्य मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश तहसीलदार को दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं वन विभाग की भूमि का संयुक्त रूप से चिन्हांकन किया जाए और यदि कहीं अतिक्रमण पाया जाता है तो नियमानुसार उसे तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण मुक्त कराई गई उपयुक्त शासकीय भूमि का सुव्यवस्थित उपयोग पार्किंग सहित अन्य जनसुविधाओं के विकास के लिए किया जा सकता है। साथ ही पूरे मार्ग को व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो... 170 से अधिक प्रापर्टीज की बुकिंग ने बनाया रिकार्ड

### मध्यमवर्गीय लोगों को आवास कैसे उपलब्ध हो इसकी चिंता करे क्रेडाई : बृजमोहन

**रायपुर।** क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो 2026 के तीन दिन के आयोजन में 170 से अधिक प्रापर्टीज की बुकिंग ने रिकार्ड स्थापित कर दिया है। इसकी मुख्य वजह है छत्तीसगढ़ क्रेडाई ने एक्सपो अवधि के दौरान बुकिंग पर रजिस्ट्री व स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी की छूट देने की घोषणा जो की गई थी। 3800 से भी अधिक लोगों ने विजिट किया। समापन दिवस पर हर साल की तरह लक्की ड्रा के सात विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किया गया। स्टाल होल्डर्स व एक्सपो के सहयोगी भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किए गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर को सबसे पीसफुल शहर बताते हुए कहा कि क्रेडाई इस बात की चिंता करे कि मध्यमवर्गीय परिवार को कैसे आवास उपलब्ध हो सके।

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपने चिर-परिचित अंदाज में कहा है जब से क्रेडाई का आयोजन शुरु हुआ है वे हर साल इसमें शामिल होते हैं इसलिए अतिथि नहीं बल्कि क्रेडाई परिवार का परमानेंट हिस्सा हैं। उन्होने छत्तीसगढ़ को विकसित होते देखा है और आज सबसे तेजी से विकसित होते राज्य में छत्तीसगढ़ और शहर में रायपुर का नाम है। आज सबसे पीसफुल शहर है रायपुर, और आने वाले दिनों में यह और सुंदर शहर होगा। क्रेडाई के सदस्यों से उन्होने आव्हान किया कि मध्यमवर्गीय परिवार को आवास कैसे उपलब्ध हो सके इसकी चिंता करें, क्योंकि सबसे ज्यादा जरूरत उन्हे है। क्वालिटी व क्वांटिटी में आप निर्माण करेंगे तो आपका भी नाम होगा। सरकार की कई सारी पालिसी है और आने वाले दिनों में इसमें और सुधार करेंगे।

क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी ने बताया कि जिस उद्देश्य को लेकर हमने अपना क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो का सातवां एडिशन आयोजित किया सफल रहे तीन दिनों में बुकिंग पर रजिस्ट्री व स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी की छूट देने की घोषणा के कारण 170 से अधिक प्रापर्टीज की बुकिंग हुई और 3800 से अधिक लोगों ने विजिट किया। प्रोग्राम चेयरमेन अशोक मूंदड़ा ने बताया कि किसी प्रकार डेढ़ माह की अथक तैयारी के बाद क्रेडाई का आयोजन सार्थक हो पाया।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

### वित्त मंत्री ने एशियन गेम्स पदक विजेताओं को दी बधाई

**रायपुर।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल, पार्थ राकेश माने और हिमांशु ढिल्लों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय निशानेबाजों की यह शानदार उपलब्धि देश के लिए गर्व का विषय है। तीनों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। वित्त मंत्री ने रुद्रांक्ष पाटिल, पार्थ राकेश माने और हिमांशु ढिल्लों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए भी शुभकामनाएं दीं।

### आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा

**रायपुर।** खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी को लेकर राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित के प्राधिकृत अधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला विपणन अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी धान खरीदी की तैयारियों के साथ पिछले वर्षों की खरीदी, धान के निराकरण, चावल जमा और सूखत समेत विभिन्न मुद्दों की जिलेवार समीक्षा की गई। बैठक में 2 अप्रैल 2026 को आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की जानकारी ली गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में उपार्जित धान के निराकरण, एफसीआई और नान में चावल जमा करने की स्थिति तथा लेखा मिलान की भी समीक्षा हुई। अधिकारियों से खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 और 2025-26 में सामने आई धान की सूखत (कमी) की स्थिति की जानकारी ली गई। आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान खरीदी की तैयारियों में बारदानों की उपलब्धता को लेकर भी समीक्षा की गई।

### बीटीओए चुनाव में दो निर्दलीयों का नामांकन निरस्त

**दंतेवाड़ा।** जिले के बचेली में बैलाडीला ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन (बीटीओए) के सत्र 2026-27 के वार्षिक चुनाव की प्रक्रिया के दौरान दो निर्दलीय प्रत्याशियों के

पर्चे निरस्त कर दिए गए। निर्दलीय प्रत्याशियों ने पारदर्शिता को लेकर जिला प्रशासन और सहायक पंजीयक (फर्म्स एवं संस्थाएं), जगदलपुर से लिखित शिकायत करते हुए कहा गया कि नामांकन खारिज करने, एनओसी और दस्तावेजों में गड़बड़ी के आरोपों के साथ सीसीटीवी फुटेज से छेड़-छाड़ की आशंका जताई गई है। बैलाडीला ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन (बीटीओए) के सत्र 2026-27 के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव और कोषाध्यक्ष के साथ विभिन्न पदों के लिए दो पैनल और दो निर्दलीय प्रत्याशियों सहित कुल 16 लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। जांच के बाद दोनों निर्दलीय प्रत्याशियों के पर्चे निरस्त कर दिए गए, जबकि दोनों पैनलों के सभी नामांकन स्वीकार कर लिए गए। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि सचिव पद के लिए जरूरी एनओसी और निर्धारित शुल्क की मूल रसीद जमा की गई थी। इसके बावजूद बिना स्पष्ट लिखित कारण बताए नामांकन खारिज कर दिया गया। शिकायतकर्ताओं ने कार्यालय में जमा दस्तावेजों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने नामांकन के समय के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग की है।

### महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के 50 से अधिक विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

**रायपुर।** महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय, रायपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में विशाल स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस शिविर का संचालन प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी और राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत साहू के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर में 500 विद्यार्थियों व प्राध्यापकों की व्यापक स्वास्थ्य जांच की गई। नेत्र परीक्षण, रक्तचाप, ब्लड शुगर, ईसीजी और आरबीएस सहित विभिन्न जांचें की गईं। एसजी नेत्र चिकित्सालय के विकास, बृजेश और विवेक ने विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया। वहीं, आईएलएस चिकित्सालय के स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. जावेत्री ने अपनी टीम के साथ छात्राओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया।

### धर्म परिवर्तन विवाद के बाद तीन परिवारों के 18 सदस्यों ने की मूल धर्म में वापसी

**कांकेर।** जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम भंडारडिगी में धर्म परिवर्तन को लेकर उपजे विवाद के बाद क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। धर्म परिवर्तन करने वाले तीन परिवारों के कुल 18 सदस्यों ने आज सोमवार को अपने मूल धर्म में वापसी की है। बताया जा रहा है कि गांव में धर्म परिवर्तन को लेकर पिछले कुछ समय से विवाद की स्थिति बनी हुई थी। इसके बाद परिवारों के सदस्यों ने आपसी सहमति से मूल धर्म में वापस लौटने का निर्णय लिया। धर्म परिवर्तन को लेकर हुए विवाद के बीच मूल धर्म में वापसी करने वाले परिवार के सदस्यों की मूल धर्म में वापसी के बाद गांव की महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाकर और नृत्य कर परिवार के सदस्यों के साथ खुशी साझा करते हुए उनका स्वागत किया। घटना के बाद गांव में पुलिस एवं प्रशासन की मौजूदगी में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

# कलेक्टर नें नक्सल प्रभावित रहे कोलेंग क्षेत्र में स्वास्थ्य व मूलभूत सुविधाओं का किया निरीक्षण

**जगदलपुर।** बस्तर जिले के दरभा विकासखंड कभी नक्सल प्रभावित और दुर्गम माना जाने वाला कोलेंग क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। बुनियादी सुविधाओं और चल रहे कार्यों की स्थिति देखने कलेक्टर आकाश छिकारा ने प्रशासनिक टीम के साथ कोलेंग और आस-पास के दूरस्थ गांवों का दौरा किया। इस दौरान बस्तर एसपी शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना, एएसपी सुखनंदन राठौर सहित वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने सबसे पहले कोलेंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, मरीजों के पंजीयन और इलाज की व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद दवा स्टोर का जायजा लिया और रजिस्टर में दर्ज दवाओं का स्टॉक से मिलान किया। अस्पताल में बिजली गुल होने की स्थिति में उपचार प्रभावित न हो, इसके लिए सोलर बैकअप सिस्टम को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर दवाइयों और इलाज की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। इसके बाद कलेक्टर महतारी सदन पहुंचे। यहां महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों से बात-चीत के दौरान नाडेप निर्माण, व्यक्तिगत शौचालय और नल-जल योजना से जुड़ी जरूरतें सामने आईं।

### लंबित पेंशन प्रकरणों का 30 तक करें निराकरण

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा विभाग ने लंबित पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के साथ ही सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका और पासबुक समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए पत्र जारी किया गया है। विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि विभिन्न स्तरों पर पेंशन प्रकरण लंबित रहने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही हैं। इसे देखते हुए सभी लंबित पेंशन प्रकरणों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा कर 30 सितंबर तक उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

## मुख्य सचिव ने कलेक्टर्स के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंस

# सेवा संकल्प अभियान गतिविधियों की समीक्षा की

**रायपुर।** मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई।

प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल एक आयोजन के रूप में नहीं लेकर इसे जनभागीदारी और एक-दूसरे की मदद की संस्कृति को मजबूत करने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। उन्होंने कलेक्टरों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आयोजित करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा कि जिलों में प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में ब्लाक एवं तहसील स्तर पर सेवा संकल्प अभियान के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में लोगों को भागीदार बनाकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। इस संबंध में माननीय मंत्रीगणों से आवश्यक बैठक एवं चर्चा सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि शिविरों में केन्द्र शासन की चिन्हित 26 प्रमुख योजनाओं को शामिल किया जाना है। इस संबंध में योजनाओं के हितग्राहियों की जानकारी अद्यतन कर ली जाए।

### जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन की नियमित समीक्षा

मुख्य सचिव ने जल जीवन मिशन को प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों में कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 15 अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्य के अनुसार नल कनेक्शन तथा नल कनेक्शनों को क्रियाशील करने की प्रगति की नियमित समीक्षा करने को कहा। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए गए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.